तीर्थंकर वंदना

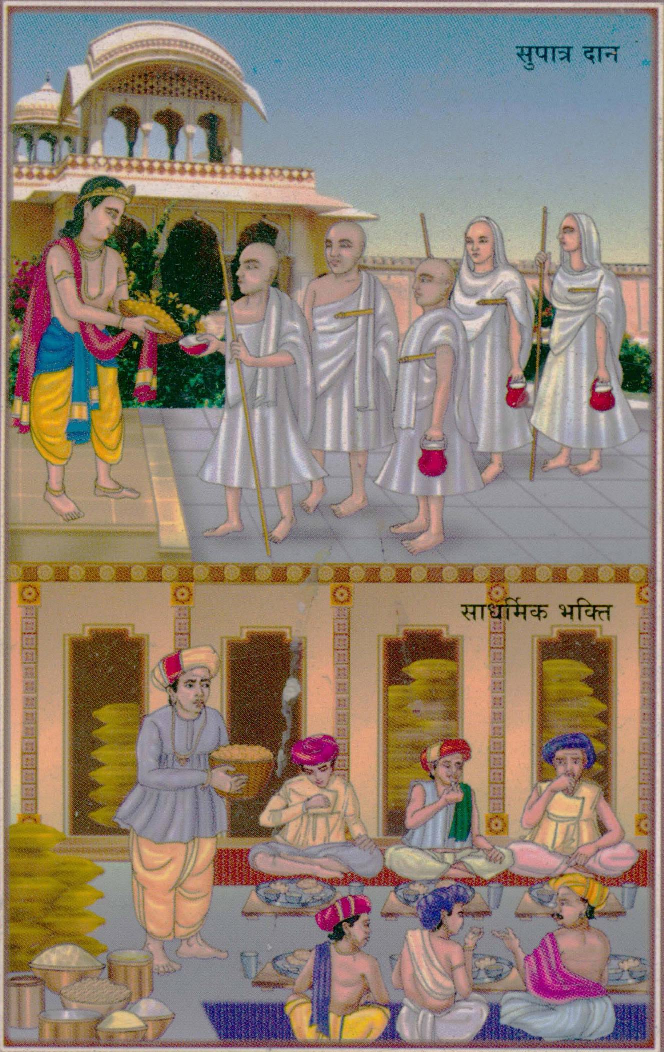

संपादक :

तवावनगरे श्री चिंतामणी जिनालय के जीर्णोद्धारक

परम पूज्य आचार्य देव श्री रत्नाकर सूरीश्वरजी म.सा.

के शिष्य मुनि श्री रत्नत्रय विजयजी

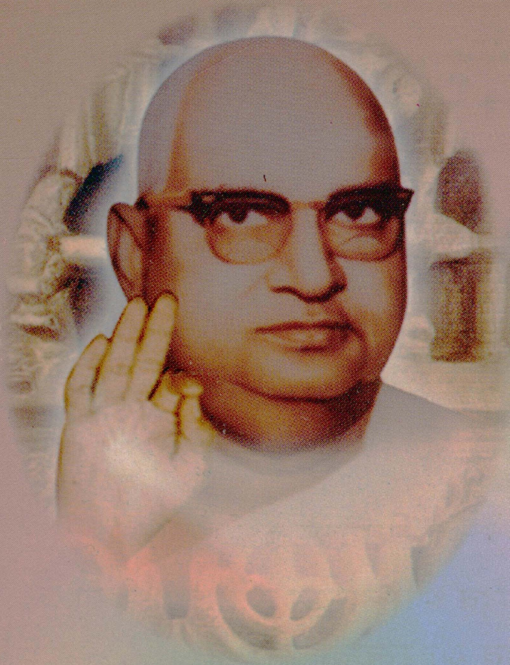

आचार्य
श्री रत्नशेखर
सूरीश्वरजी म.सा.

आचार्यदेव
श्री रत्नाकर
सूरीश्वरजी म.सा.

तीर्थंकर वंदना

• आशीर्वाद दाता •

परमपूज्य कलिकुंड तीर्थोद्धारक आचार्य देव

श्री राजेन्द्र सूरीश्वरजी म. सा.

• संपादक •

परम पूज्य स्व. आचार्यदेव श्री रत्नशेखर सूरीश्वरजी म. सा. के शिष्य

परम पूज्य आचार्य देव श्री रत्नाकर सूरीश्वरजी म. सा. के शिष्य

मुनि श्री रत्नत्रय विजयजी म. सा.

• प्रकाशक •

श्री रंजन विजयजी जैन पुस्तकालय

मु.पो. मालवाडा जि. जालोर (राज.)

पुस्तक नाम : तीर्थंकर वंदना
संपादक : मुनिश्री रत्नत्रय विजयजी म.सा.
प्रथम आवृत्ति : 2000 संवत : 2062
किंमत : Rs. 15/-

प्राप्तिस्थान

मुंबई : **श्री मणीलाल यु. शाह**
डी-1/203, स्टार गेलेक्सी, लोकमान्य तिलक रोड,
बोरीवली (वे.) मुंबई-400092
फोन : (R) 28011469, 28642958, (O) 28931011

अमदावाद : **श्री पारस गंगा ज्ञान मंदिर (राजेन्द्रभाई)**
B-104, केदार टावर, राजस्थान होस्पीटल के सामने,
शाहीबाग, अमदावाद-4
फोन : 079-22860247, (M) 942639076

अमदावाद : **श्री जैन प्रकाशन मंदिर**
दोशीवाडानी पोल, कालुपुर, अमदावाद-1 फोन : 5356806

अमदावाद : **सरस्वती पुस्तक भंडार**
112, हाथीखाना, रतनपोळ, अमदावाद-1 फोन : 25356692

पालीताणा : **श्री पार्श्वनाथ जैन पुस्तक भंडार**
फुवारा के पास, तलेटी रोड, पालीताणा-364270 (सौ.)

शंखेश्वर : **श्री महावीर जैन उपकरण भंडार**
जैन भोजन शाला के पास, शंखेश्वर, फोन : 02733-273306

मुद्रक : नवनीत प्रिन्टर्स, (निकुंज शाह) 2733, कुवावाली पोल, शाहपुर, अमदावाद-1.
मो. 9825261177, 9427326041 फोन : 079-25625326

अनुक्रमणिका

१.	चोवीश तीर्थंकर के नाम	२	२५.	पिता की गति	१०
२.	माता के नाम	२	२६.	कुमार अवस्था	११
३.	पिता के नाम	२	२७.	राज्य अवस्था	११
४.	किस भव से तीर्थंकर नाम उपार्जन किया	३	२८.	गृहस्थ अवस्था	११
			२९.	पुत्र-पुत्री की संख्या	१२
५.	पूर्व भव के गुरु	३	३०.	प्रभु के भव	१२
६.	पूर्व में कितने शास्त्र पढे ?	३	३१.	दीक्षा तिथी (मारवाडी)	१२
७.	पूर्व भव की नगरी ?	४	३२.	दीक्षा नगरी	१३
८.	कौन से देवलोक में से च्यवन	४	३३.	दीक्षा नक्षत्र	१३
९.	च्यवन तिथि (मारवाडी)	४	३४.	दीक्षा राशि	१३
१०.	च्यवन नक्षत्र	५	३५.	दीक्षा शिबिका का नाम	१४
११.	च्यवन राशि	५	३६.	दीक्षा भूमि	१४
१२.	च्यवन कल्याणक नगर	५	३७.	कितने के साथ दीक्षा ली	१४
१३.	गर्भकाल	६	३८.	दीक्षा वृक्ष	१५
१४.	जन्म तिथि (मारवाडी)	६	३९.	दीक्षा समय का तप	१५
१५.	जन्म नगरी	६	४०.	कौन सी नगरी का पारणा	१५
१६.	जन्म नक्षत्र	७	४१.	पारणा किस व्यक्ति के घर	१६
१७.	जन्म राशि	७	४२.	उत्कृष्ट तप	१६
१८.	जन्म देश	७	४३.	धर्मस्थ काल	१६
१९.	प्रभु का गण	८	४४.	केवलज्ञान तिथि (मारवाडी)	१७
२०.	प्रभु की योनि	८	४५.	केवलज्ञान नगर	१७
२१.	प्रभु के लांछन	८	४६	केवलज्ञान वन	१७
२२.	प्रभु के नाम का अर्थ	९	४७.	केवलज्ञान वृक्ष	१८
२३.	शरीर प्रमाण	१०	४८.	केवलज्ञान वृक्ष ऊँचाई	१८
२४.	माता की गति	१०	४९.	केवलज्ञान तप	१८

५०. प्रथम गणधर के नाम १९
५१. प्रथम साध्वीजी का नाम १९
५२. भक्त राजा के नाम १९
५३. गणधर संख्या २०
५४. साधु भगवंत की संख्या २०
५५. साध्वीजी भगवंत की संख्या २०
५६. श्रावक संख्या २१
५७. श्राविकासंख्या २१
५८. केवलज्ञानी की संख्या २१
५९. मन:पर्यवज्ञानी की संख्या २२
६०. अवधिज्ञानी की संख्या २२
६१. चौदपूर्वी की संख्या २२
६२. वैक्रिय लब्धिधारी २३
६३. वादीधारी मुनि की संख्या २३
६४. महाव्रतो की संख्या २३
६५. दीक्षाकाल २४
६६. केवलज्ञान काल २४
६७. कुल आयुष्य २४
६८. मोक्ष कल्याणक तिथि (मारवाडी) २५
६९. मोक्ष कल्याणक नगर २५
७०. निर्वाण नक्षत्र २५
७१. निर्वाण राशि २६
७२. निर्वाण आसन २६
७३. निर्वाण समय का तप २६
७४. कितने के साथ मोक्ष २७
७५. निर्वाण समय २७
७६. निर्वाण के बाद आंतरा २७
७७. समवसरण का प्रमाण २८
७८. प्रथम देशना का विषय २८
७९. प्रभु के समय में नये तीर्थंकर के आत्मा २८
८०. यक्ष के नाम २९
८१. यक्षिणी के नाम २९
८२. यक्ष का वाहन २९
८३. यक्षिणी का वाहन ३०
८४. यक्ष का वर्ण ३०
८५. यक्षिणी का वर्ण ३०

प्रकरण : २

८६ वीश विहरमान के नाम ३२
८७. माता का नाम ३२
८८. पिता का नाम ३२
८९. पत्नी का नाम ३३
९०. नगरी का नाम ३३
९१. लंछन का नाम ३३
९२. मेरु पर्वत के नाम ३४
९३. द्वीप क्षेत्र का नाम ३४
९४. विजय का नाम ३४
९५. च्यवन कल्याणक (मारवाडी) ३५
९६. जन्म कल्याणक (मारवाडी) ३५
९७. शरीर प्रमाण ३५
९८. गृहस्थावास ३६
९९. दीक्षा कल्याणक (मारवाडी) ३६

१००. दीक्षा वृक्ष ३६
१०१. छद्मस्थ अवस्था ३७
१०२. केवलज्ञान कल्याणक (मारवाडी) ३७
१०३. गणधर के नाम ३७
१०४. केवलज्ञानी की संख्या ३८
१०५. साधु भगवंत की संख्या ३८
१०६. साध्वीजी भगवंत की संख्या ३८
१०७. श्रावको की संख्या ३९
१०८. श्राविका की संख्या ३९
१०९. चारित्र पर्याय ३९
११०. सर्वायुष्य ४०
१११. निर्वाण दिन ४०
११२. भावि चोवीशी ४१
११३. आदिनाथजी के १३ भव ४२
११४. चन्द्रप्रभस्वामी के ७ भव ४२
११५. शांतिनाथजी के १२ भव ४२
११६. मुनिसुव्रतस्वामी के ९ भव ४२
११७. नेमिनाथजी के ९ भव ४२
११८. पार्श्वनाथजी के १० भव ४३
११९. महावीर स्वामी के २७ भव ४३
१२०. आदिनाथ परिवार के साथ पांच भव ४३
१२१. नेमिनाथ के ९ भव ४४
१२२. राजीमती के ९ भव ४४
१२३. समरादित्य के ९ भव ४५
१२४. नलराजा-दमयंति के भव ४५
१२५. सुनंदा-रुपसेन के भव ४५
१२६. श्रीपाल राजा का परिचय ४६
१२७. हनुमान के ७ भव ४६
१२८ अग्यार गणधर का परिवार ४७
१२९ ११ गणधर ४७
१३० महान पुरुषों के पूर्व भव के नाम ४८

प्रकरण : ३

१३१. चक्रवर्ती के नाम ५२
१३२. माता का नाम ५२
१३३. पिता का नाम ५२
१३४. नगरी का नाम ५२
१३५. शरीर की ऊंचाई ५२
१३६. शरीर का वर्ण ५२
१३७. चक्रवर्ती का गोत्र ५३
१३८. आयुष्य ५३
१३९. गति ५३
१४०. कुमार अवस्था ५३
१४१. मांडलिक काल ५३
१४२. चक्रवर्ती पद काल ५३
१४३. दीक्षा काल ५४
१४४. कौन से तीर्थंकर का शासन ५४
१४५. स्त्री रत्न के नाम ५४
१४६. वासुदेव का परिचय ५४
१४७. प्रतिवासुदेव का परिचय ५७
१४८. बलदेव का परिचय ५८

प्रकरण - १

चोवीश तीर्थंकर का संक्षिप्त परिचय

	१	२	३
क्रम	भगवान का नाम	भगवान की माता का नाम	भगवान के पिता का नाम
१.	श्री ऋषभदेव स्वामीजी	मरुदेवी	नाभिराजा
२.	श्री अजितनाथजी	विजया रानी	जितशत्रु राजा
३.	श्री संभवनाथजी	सेना रानी	जितारी राजा
४.	श्री अभिनंदन स्वामीजी	सिद्धार्था रानी	संवर राजा
५.	श्री सुमतिनाथजी	मंगला रानी	मेघ राजा
६.	श्री पद्मप्रभ स्वामीजी	सुसीमा रानी	श्रीधर राजा
७.	श्री सुपार्श्वनाथजी	पृथ्वी रानी	प्रतिष्ठ राजा
८.	श्री चन्द्रप्रभ स्वामीजी	लक्ष्मणा रानी	महसेन राजा
९.	श्री सुविधिनाथजी	रामा रानी	सुग्रीव राजा
१०.	श्री शीतलनाथजी	नंदा रानी	दृढरथ राजा
११.	श्री श्रेयांसनाथजी	विष्णु रानी	विष्णु राजा
१२.	श्री वासुपूज्य स्वामीजी	जया रानी	वसुपूज्य राजा
१३.	श्री विमलनाथजी	श्यामा रानी	कृतवर्मा राजा
१४.	श्री अनंतनाथजी	सुयशा रानी	सिंहसेन राजा
१५.	श्री धर्मनाथजी	सुव्रता रानी	भानु राजा
१६.	श्री शान्तिनाथजी	अचिरा रानी	विश्वसेन राजा
१७.	श्री कुंथुनाथजी	श्री रानी	शूर राजा
१८.	श्री अरनाथजी	देवी रानी	सुदर्शन राजा
१९.	श्री मल्लिनाथजी	प्रभावती रानी	कुंभ राजा
२०.	श्रीमुनिसुव्रत स्वामीजी	पद्मावती रानी	सुमित्र राजा
२१.	श्री नमिनाथजी	वप्रा रानी	विजय राजा
२२.	श्री नेमिनाथजी	शिवा रानी	समुद्रविजय राजा
२३.	श्री पार्श्वनाथजी	वामा रानी	अश्वसेन राजा
२४.	श्री महावीर स्वामीजी	त्रिशला रानी	सिद्धार्थ राजा

क्रम	४ किस भव से तीर्थंकर नामकर्म उपार्जन किये	५ पूर्व भव के गुरु	६ पूर्वभव के पढे हुए शास्त्र
१.	वज्रनाभ चक्री	वज्रसेन	१४ पूर्व पढे
२.	विमल वाहन	अरिदमन	११ पूर्व पढे
३.	विपुल वाहन	संभ्रान्त (स्वयंप्रभ)	११ पूर्व पढे
४.	महाबल	विमल वाहन	११ पूर्व पढे
५.	अतिबल (पुरुषसिंह)	सीमंधर (विनयनंदन)	११ पूर्व पढे
६.	अपराजीत	विहीता श्रव	११ पूर्व पढे
७.	नंदीषेण	अरिदमन	११ पूर्व पढे
८.	पद्मराजा	युगंधर	११ पूर्व पढे
९.	महापद्म	जगन्नंद	११ पूर्व पढे
१०.	पद्मोत्तर (पद्म)	प्रिस्ताघ	११ पूर्व पढे
११.	नलिनीगुल्म	वज्रदत्त	११ पूर्व पढे
१२.	पद्मोत्तर	वज्रनाभ	११ पूर्व पढे
१३.	पद्मसेन	सर्वगुप्त	११ पूर्व पढे
१४.	पद्मरथ	चित्ररथ	११ पूर्व पढे
१५.	द्रढरथ	विमलवाहन	११ पूर्व पढे
१६.	मेघरथ	धनरथ	११ पूर्व पढे
१७.	सिंहावह	संवराचार्य	११ पूर्व पढे
१८.	धनपति	संवर	११ पूर्व पढे
१९.	महाबल	वरधर्म	११ पूर्व पढे
२०.	सुरश्रेष्ठ	नंदन	११ पूर्व पढे
२१.	सिद्धार्थ	सुदर्शन	११ पूर्व पढे
२२.	सुप्रतिष्ठ (शंखकुमार)	श्रीषेण	११ पूर्व पढे
२३.	आनंद (सुवर्णबाहु)	जगन्नाथ तीर्थंकर (दामोदर)	११ पूर्व पढे
२४.	नंदनऋषि	पोट्टिलाचार्य	११ पूर्व पढे

क्रम	७ पूर्वभव की नगरी	८ कौन से देवलोक में से च्यवन	९ च्यवन तिथि मारवाडी
१.	पुंडरीकिणी	सर्वार्थ सिद्ध विमान	आषाढ वद ४
२.	सुसीमा	विजय अनुत्तर	वैशाख सुद १३
३.	क्षेमपुरी	७वा ग्रैवेयक (आनत्)	फागण सुद १३
४.	रत्नसंचया	विजय (जयंत) अनुत्तर	वैशाख सुद ४
५.	शंखपुर	वैजयन्त(जयंत) अनुत्तर	श्रावण सुद २
६.	सुसीमा	नववाँ ग्रैवेयक	महा वद ६
७.	क्षेमपुरी	छट्ठा ग्रैवेयक	भाद्रपद वद ८
८.	रत्नसंचया	विजय (वैजयन्त)	चैत्र वद ५
९.	पुंडरिगिणी	आनत देवलोक	फागण वद ९
१०.	सुसीमा	प्राणत (१०वां)	वैशाख वद ६
११.	क्षेमा	अच्युत (महाशुक्र)	जेठ वद ६
१२.	रत्नसंचया	प्राणत (१०वां)	जेठ सुद ९
१३.	महापुरी	सहस्रार	वैशाख सुद १२
१४.	अरिष्टा	प्राणत (१०वां)	श्रावण वद ९
१५.	भद्दिला	विजय (अनुत्तर विमान)	वैशाख सुद ७
१६.	पुंडरिकिणि	सर्वार्थसिद्ध (अनुत्तर)	भाद्रपद वद ७
१७.	खडिग	सर्वार्थसिद्ध (अनुत्तर)	श्रावण वद ९
१८.	सुसीमा	सर्वार्थसिद्ध (अनुत्तर)	फागण सुद २
१९.	वीतशोका	जयंत (अनुत्तर)	फागण सुद ४
२०.	चंपापुरी	प्राणत (१०वां)	श्रावण सुद १५
२१.	कौशांबी	प्राणत (अपराजीत)	आसो सुद १५
२२.	हस्तिनापुर	अपराजीत	कार्तिक वद १२
२३.	पुराणपुर	प्राणत (१०वां)	चैत्र वद ४
२४.	छत्रा	प्राणत (१०वां)	आषाढ सुद ६

	१०	११	१२
क्रम	च्यवन नक्षत्र	च्यवन राशि	च्यवन कल्याणक कौनसे नगर में
१.	उत्तराषाढा	धन	अयोध्या
२.	रोहिणी	वृषभ	अयोध्या
३.	मृगशीर्ष	मिथुन	सावत्थी
४.	अभिजित् (पुनर्वसु)	मिथुन	अयोध्या
५.	मघा	सिंह	अयोध्या
६.	चित्रा	कन्या	कौशांबी
७.	विशाखा	तुला	बनारस
८.	अनुराधा	वृश्चिक	चन्द्रपुरी
९.	मूला	धन	काकंदी
१०.	पूर्वाषाढा	धन	भद्दिलपुर
११.	श्रवण	मकर	सिंहपुरी
१२.	शतभिषा	कुंभ	चंपापुरी
१३.	उत्तर भाद्रपद	मीन	कंपिलपुरी
१४.	रेवती	मीन	अयोध्या
१५.	पुष्य	कर्क	रत्नपुरी
१६.	भरणी	मेष	हस्तिनापुर (गजपुर)
१७.	कृतिका	वृषभ	हस्तिनापुर (गजपुर)
१८.	रेवती	मीन	हस्तिनापुर (गजपुर)
१९.	अश्विनी	मेष	मिथिला
२०.	श्रवण	मकर	राजगृही
२१.	अश्विनि	मेष	मिथिला (मथुरा)
२२.	चित्रा	कन्या	शौरीपुरी
२३.	विशाखा	तुला	काशी-बनारस
२४.	उत्तरा फाल्गुनी	कन्या	ब्राह्मणकुंड

क्रम	१३ गर्भ काल	१४ जन्म तिथि मारवाडी	१५ प्रभु के जन्म नगरी
१.	९ मास ८ १/२ दिन	चैत्र वद ८	अयोध्या
२.	८ मास २५ दिन	महा सुद ८	अयोध्या
३.	९ मास ६ दिन	मगसर सुद १४	सावत्थी
४.	९ मास ७ १/२ दिन	महा सुद २	अयोध्या
५.	९ मास ६ दिन	वैशाख सुद ८	अयोध्या
६.	९ मास ६ दिन	कार्तिक वद १२	कौशांबी
७.	९ मास १९ दिन	जेठ सुद १२	बनारस
८.	९ मास ७ दिन	पोष वद १२	चन्द्रपुरी
९.	९ मास २६ दिन	मगसर वद ५	काकंदी
१०.	९ मास ६ दिन	महा वद १२	भद्दिलपुर
११.	९ मास ६ दिन	फागण वद १२	सिंहपुर
१२.	८ मास १० दिन	फागण वद १४	चंपापुरी
१३.	८ मास २१ दिन	महा सुद ३	कंपिलपुरी
१४.	९ मास ६ दिन	वैशाख वद १३	अयोध्या
१५.	८ मास २६ दिन	महा सुद ३	रत्नपुरी
१६.	९ मास ६ दिन	जेठ वद १३	हस्तिनापुर (गजपुर)
१७.	९ मास ५ दिन	वैशाख वद १४	हस्तिनापुर (गजपुर)
१८.	९ मास ८ दिन	मगसर सुद १०	हस्तिनापुर (गजपुर)
१९.	९ मास ७ दिन	मगसर सुद ११	मिथिला
२०.	९ मास ८ दिन	जेठ वद ८	राजगृही
२१.	९ मास ८ दिन	श्रावण वद ८	मिथिला (मथुरा)
२२.	९ मास ८ दिन	श्रावण सुद ५	शौरीपुरी
२३.	९ मास ६ दिन	पोष वद १०	काशी-बनारस
२४.	९ मास ७ १/२ दिन	चैत्र सुद १३	ब्राह्मणकुंड

	१६	१७	१८
क्रम	जन्म नक्षत्र	जन्म राशि	प्रभु का जन्म देश
१.	उत्तराषाढा	धन	कोशल
२.	रोहिणी	वृषभ	कोशल
३.	मृगशीर्ष	मिथुन	कुणाल
४.	अभिजित् (पुनर्वसु)	मिथुन	कोशल
५.	मघा	सिंह	कोशल
६.	चित्रा	कन्या	वत्स
७.	विशाखा	तुला	काशी
८.	अनुराधा	वृश्चिक	पूर्व
९.	मूला	धन	कोशल
१०.	पूर्वाषाढा	धन	मलय
११.	श्रवग	मकर	काशी
१२.	शतभिषा	कुंभ	अँग
१३.	उत्तर भाद्रपद	मीन	पांचाल
१४.	रेवती	मीन	कोशल
१५.	पुष्य	कर्क	उत्तरकोशल
१६.	भरणी	मेष	कुरुदेश
१७.	कृतिका	वृषभ	कुरुदेश
१८.	रेवती	मीन	कुरुदेश
१९.	अश्विनी	मेष	विदेह
२०.	श्रवण	मकर	मगध
२१.	अश्विनि	मेष	विदेह
२२.	चित्रा	कन्या	कुशावर्त
२३.	विशाखा	तुला	काशी
२४.	उत्तरा फाल्गुनी	कन्या	पूर्व

	१९	२०	२१
क्रम	प्रभु का गण	प्रभु की योनी	प्रभु का लांछन
१.	मानव	नकुल	वृषभ (बैल)
२.	मानव	सर्प	हस्ति (हाथी)
३.	देव	सर्प	अश्व (घोडो)
४.	देव	मांजार (बिल्ली)	वानर (बंदर)
५.	राक्षस	मूषक	क्रोंच पक्षी
६.	राक्षस	महिष	पद्म (कमल)
७.	राक्षस	व्याघ्र (मृग)	स्वस्तिक
८.	देव	व्याघ्र (मृग)	चन्द्र
९.	राक्षस	वानर	मगर मच्छ
१०.	मानव	नकुल	श्रीवत्स
११.	देव	नकुल	गेंडा
१२.	राक्षस	अश्व	पाडा (महिष)
१३.	मानव	छात्र	वराह (सुअर)
१४.	देव	हस्ति	बाजपक्षी (सिंचाणो)
१५.	देव	छाग (बकरो)	वज्र
१६.	मानव	हस्ति	मृग (हरिण)
१७.	रास	बकरो	छाग (बकरो)
१८.	देव	हाथी	नंदावर्त
१९.	देव	अश्व	कुंभ (कलश)
२०.	देव	वानर	कच्छप (काचबो)
२१.	देव	अश्व	नीलकमल
२२.	कन्या	महिष	शंख
२३.	राक्षस	मृग	सर्प
२४.	मानव	महिष	सिंह

२२

क्रम	प्रभु के नाम का अर्थ
१.	प्रथम स्वप्न में माता के द्वारा वृषभ देखने के कारण।
२.	सोगठ बाजी में माता ने राजा को जीत लिया
३.	जन्म होने पर धरती पर काफी अनाज बढने लगा।
४.	गर्भरुप में भी हंमेशा इन्द्र ने जिनका अभिनंदन किया।
५.	न्याय देने में माता की बुद्धि संतुलित रही।
६.	मां को कमलपत्र की शय्या में सोने की इच्छा हुई।
७.	गर्भ में आने पर माता का शरीर सुंदर हो उठा।
८.	मां के मन में चन्द्रकिरणों को पीने की इच्छा हुई।
९.	गर्भ में आने पर माँ ने विधि को भली भांति जाना।
१०.	माता के कर स्पर्श से पिता का दाह ज्वर शांत हो गया।
११.	मां ने अपने आपको श्रेय करने वाली देव शय्या में सोये हुए देखा।
१२.	वसुपूज्य के पुत्र होने से वसु देवता द्वारा पूजित।
१३.	गर्भ में आने पर माता का शरीर एवं मन विमल (स्वच्छ) बन गया।
१४.	गर्भ में आने पर मां ने अनंत मणियों की माला देखी।
१५.	गर्भ में आने पर मां ने धर्म का सुंदर व अधिक पालन किया।
१६.	पूरे देश में शांति स्थापित हो गई ,उपद्रव शांत हो गये।
१७.	स्वप्न में मां ने जमीन में रहे हुए रत्न स्तुप को देखा।
१८.	स्वप्न में मांने महारत्न देखा।
१९.	मां की इच्छा पुष्प मालाओं की शय्या पर सोने की हुई।
२०.	गर्भ में आने पर मां को मुनि की तरह सुव्रत पालन की ईच्छा जगी
२१.	गर्भ में आने पर विरोधियों के भी झुक जाने से।
२२.	गर्भ के समय मां ने अरिष्ट रत्नमय चक्र देखा।
२३.	माँ ने पास में जाते हुए काले सर्प को देखा।
२४.	धन-धान्य, सुख-समृद्धि बढने के कारण।

क्रम	२३ शरीर प्रमाण (उंचाई)	२४ प्रभु के माता की गति	२५ प्रभु के पिता की गति
१.	५०० धनुष्य	मोक्षगति	नागकुमार (भवनपति)
२.	४५० धनुष्य	मोक्षगति	ईशान देवलोक
३.	४०० धनुष्य	मोक्षगति	ईशान देवलोक
४.	३५० धनुष्य	मोक्षगति	ईशान देवलोक
५.	३०० धनुष्य	मोक्षगति	ईशान देवलोक
६.	२५० धनुष्य	मोक्षगति	ईशान देवलोक
७.	२०० धनुष्य	मोक्षगति	ईशान देवलोक
८.	१५० धनुष्य	मोक्षगति	ईशान देवलोक
९.	१०० धनुष्य	सनत्कुमार देवलोक	सनत्कुमार देवलोक
१०.	९० धनुष्य	सनत्कुमार देवलोक	सनत्कुमार देवलोक
११.	८० धनुष्य	सनत्कुमार देवलोक	सनत्कुमार देवलोक
१२.	७० धनुष्य	सनत्कुमार देवलोक	सनत्कुमार देवलोक
१३.	६० धनुष्य	सनत्कुमार देवलोक	सनत्कुमार देवलोक
१४.	५० धनुष्य	सनत्कुमार देवलोक	सनत्कुमार देवलोक
१५.	४५ धनुष्य	सनत्कुमार देवलोक	सनत्कुमार देवलोक
१६.	४० धनुष्य	सनत्कुमार देवलोक	सनत्कुमार देवलोक
१७.	३५ धनुष्य	माहेन्द्र देवलोक	माहेन्द्र देवलोक
१८.	३० धनुष्य	माहेन्द्र देवलोक	माहेन्द्र देवलोक
१९.	२५ धनुष्य	माहेन्द्र देवलोक	माहेन्द्र देवलोक
२०.	२० धनुष्य	माहेन्द्र देवलोक	माहेन्द्र देवलोक
२१.	१५ धनुष्य	माहेन्द्र देवलोक	माहेन्द्र देवलोक
२२.	१० धनुष्य	माहेन्द्र देवलोक	माहेन्द्र देवलोक
२३.	९ हाथ	माहेन्द्र देवलोक	माहेन्द्र देवलोक
२४.	७ हाथ	माहेन्द्र देवलोक	माहेन्द्र देवलोक

क्रम	२६ प्रभु की कुमार अवस्था	२७ प्रभु की राज्य अवस्था	२८ प्रभु की गृहस्थ अवस्था
१.	२० लाख पूर्व	६३ लाख पूर्व	८३ लाख पूर्व
२.	१८ लाख पूर्व	१ पूर्वांग अधिक ५३ लाख पूर्व	१ पूर्वांग अधिक ७१ लाख पूर्व
३.	१५ लाख पूर्व	४ पूर्वांग अधिक ४४ लाख पूर्व	४ पूर्वांग अधिक ५९ लाख पूर्व
४.	१२ $\frac{१}{२}$ लाख पूर्व	८ पूर्वांग अधिक ३६ $\frac{१}{२}$ लाख पूर्व	८ पूर्वांग अधिक ४९ लाख पूर्व
५.	१० लाख पूर्व	१२ पूर्वांग अधिक २९ लाख पूर्व	१२ पूर्वांग अधिक ३९ लाख पूर्व
६.	७ $\frac{१}{२}$ लाख पूर्व	१६ पूर्वांग अधिक २१ लाख पूर्व	१२ पूर्वांग अधिक २९ लाख पूर्व
७.	५ लाख पूर्व	१६ पूर्वांग अधिक १४ लाख पूर्व	२० पूर्वांग अधिक १९ लाख पूर्व
८.	२ $\frac{१}{२}$ लाख पूर्व	२४ पूर्वांग अधिक ६ $\frac{१}{२}$ लाख पूर्व	२४ पूर्वांग अधिक ९ लाख पूर्व
९.	५० हजार पूर्व	२८ पूर्वांग अधिक ५० हजार पूर्व	१ लाख पूर्व एवं २८ पूर्वांग
१०.	२५ हजार पूर्व	५० हजार पूर्व	१ लाख पूर्व में पौनपाद कम
११.	२१ लाख वर्ष	४२ लाख वर्ष	६३ लाख वर्ष
१२.	१८ लाख वर्ष	राज्य काल नहीं था	१८ लाख वर्ष
१३.	१५ लाख वर्ष	३० लाख वर्ष	४५ लाख वर्ष
१४.	७ $\frac{१}{२}$ लाख वर्ष	१५ लाख वर्ष	२२ लाख ५० हजार वर्ष
१५.	१ $\frac{१}{२}$ लाख वर्ष	५ लाख वर्ष	७५ हजार वर्ष
१६.	२५००० वर्ष	५० हजार वर्ष	१ लाख वर्ष में पौन पाद कम
१७.	२३,७५० वर्ष	४७,५०० वर्ष	७१,२५० वर्ष
१८.	२१०० वर्ष	४२ हजार वर्ष	६३ हजार वर्ष
१९.	१०० वर्ष	राज्य काल नहीं था	१०० वर्ष
२०.	७५०० वर्ष	१५ हजार वर्ष	२२५०० वर्ष
२१.	२५०० वर्ष	५ हजार वर्ष	७५०० वर्ष
२२.	३०० वर्ष	राज्य काल नहीं था	३०० वर्ष
२३.	३० वर्ष	राज्य काल नहीं था	३० वर्ष
२४.	३० वर्ष	राज्य काल नहीं था	३० वर्ष

	२९	३०	३१
क्रम	पुत्र - पुत्री की संख्या	प्रभु की भव संख्या	दीक्षा तिथि मारवाडी
१.	१०० पुत्र २ पुत्री ब्राह्मी-सुंदरी	१३	चैत्र वद ८
२.	—	३	महा सुद ९
३.	३ पुत्र	३	मगसर सुद १५
४.	३ पुत्र	३	महा सुद १२
५.	३ पुत्र	३	वैशाख सुद ९
६.	१३ पुत्र	३	कार्तिक वद १३
७.	१७ पुत्र	३	जेठ सुद १३
८.	१८ पुत्र	७-८	पोष वद १३
९.	१९ पुत्र	३	मगसर वद ६
१०.	२ पुत्र	३	महा वद १२
११.	९९ पुत्र	३	फागण वद १३
१२.	२ पुत्र	३	फागण वद ३०
१३.	—	३	महा सुद ४
१४.	८८ पुत्र	३	वैशाख वद १४
१५.	१९ पुत्र	३	महा सुद १३
१६.	१,५० लाख पुत्र	१२	जेठ वद १४
१७.	१,५० लाख पुत्र	३	वैशाख वद ५
१८.	१,२५ लाख पुत्र	३	मगसर सुद ११
१९.	—	३	मगसर सुद ११
२०.	१९ पुत्र	३ अथवा ९	फागणसुद १२
२१.	—	३	आषाढ वद ९
२२.	—	९	श्रावण सुद ६
२३.	—	१०	पोष वद ११
२४.	१ पुत्री प्रियदर्शना	२७	मगसर वद १०

	३२	३३	३४
क्रम	प्रभु की दीक्षा नगरी	दीक्षा नक्षत्र	दीक्षा राशि
१.	अयोध्या	उत्तराषाढा	धन
२.	अयोध्या	रोहिणि	वृषभ
३.	सावत्थी	मृगशीर्ष	मिथुन
४.	अयोध्या	पुनर्वसु	मिथुन
५.	अयोध्या	मघा	सिंह
६.	कौशांबी	चित्रा	कन्या
७.	बनारस	विशाखा	तुला
८.	चंद्रपुरी	अनुराधा	वृश्चिक
९.	काकंदी	मूला	धन
१०.	भद्दिलपुरी	पूर्वाषाढा	धन
११.	सिंहपुरी	श्रवण	मकर
१२.	चंपापुरी	शतभिषा	कुंभ
१३.	कंपिलपुर	उत्तराभाद्रपद	मीन
१४.	अयोध्या	रेवती	मीन
१५.	रत्नपुरी	पुष्य	कर्क
१६.	हस्तिनापुर	भरणी	मेष
१७.	हस्तिनापुर	कृत्तिका	वृषभ
१८.	हस्तिनापुर	रेवती	मीन
१९.	मिथिला	अश्विनी	मेष
२०.	राजगृही	श्रवण	मकर
२१.	मिथिला	अश्विनि	मेष
२२.	शौरीपुरी	चित्रा	कन्या
२३.	बनारस	विशाखा	तुला
२४.	क्षत्रियकुंड	उत्तराफाल्गुनी	कन्या

क्रम	३५ दीक्षा शिबिका का नाम	३६ दीक्षा भूमि (वन)	३७ कितने के साथ दीक्षा ली
१.	सुदर्शना	सिद्धार्थ वन	४०००
२.	सुप्रभा	सहस्राम्र वन	१०००
३.	सिद्धार्थ	सहस्राम्र वन	१०००
४.	अर्थसिद्धा	सहस्राम्र वन	१०००
५.	अभयंकरा	सहस्राम्र वन	१०००
६.	निवृतिकरा	सहस्राम्र वन	१०००
७.	मनोहारी	सहस्राम्र वन	१०००
८.	मनोरमा	सहस्राम्र वन	१०००
९.	सूरप्रभा	सहस्राम्र वन	१०००
१०.	चंद्रप्रभा (शुक्लप्रभा)	सहस्राम्र वन	१०००
११.	विमलप्रभा	सहस्राम्र वन	१०००
१२.	पृथ्वी	बिहार गृहवन	६००
१३.	देवदत्ता (देवदिन्ना)	सहस्राम्र वन	१०००
१४.	सागरदत्ता	सहस्राम्र वन	१०००
१५.	नागदत्ता	वप्रकांचन वन	१०००
१६.	सर्वार्था	सहस्राम्र वन	१०००
१७.	विजया	सहस्राम्र वन	१०००
१८.	वैजयन्ती	सहस्राम्र वन	१०००
१९.	जयन्ती	सहस्राम्र वन	३००
२०.	अपराजिता	नीलगृहोद्यान	१०००
२१.	देवकुरु	सहस्राम्र वन	१०००
२२.	उत्तरकुरु	सहस्राम्र वन	१०००
२३.	विशाला	आम्रपद	३००
२४.	चंद्रप्रभा	ज्ञानखंडवन	अकेले

क्रम	३८ दीक्षा वृक्ष	३९ दीक्षा के समय तप	४० पारणा कौनसी नगरी मे
१.	अशोक वृक्ष	छट्ठ तप	गजपुर (हस्तिनापुर)
२.	सप्तच्छद (अशोक)	छट्ठ तप	विनिता (अयोध्या)
३.	प्रियाल (अशोक)	छट्ठ तप	सावत्थी
४.	प्रियंगु (अशोक)	छट्ठ तप	अयोध्या
५.	शाल वृक्ष	चोथ भक्त	विजयपुर
६.	छत्र (अशोक)	छट्ठ तप	ब्रह्मस्थल
७.	शीरीष (अशोक)	छट्ठ तप	पाटलीखंड
८.	नाग (अशोक)	छट्ठ तप	पद्मखंड
९.	शाल (अशोक)	छट्ठ तप	श्वेतपुर
१०.	प्रियंगु	छट्ठ तप	रिष्टपुर
११.	तन्दुक (अशोक)	छट्ठ तप	सिद्धार्थपुर
१२.	पाडल (अशोक)	चोथभक्त	महापुर
१३.	जंबु (अशोक)	छट्ठ तप	धान्यकूट
१४.	अशोक वृक्ष	छट्ठ तप	वर्धमानपुर
१५.	दधिपर्ण	छट्ठ तप	सोमनसपुर
१६.	नंदि (अशोक)	छट्ठ तप	मंदिरपुर
१७.	भीलक	छट्ठ तप	चक्रपुर
१८.	आम्र	छट्ठ तप	राजपुर
१९.	अशोक वृक्ष	अट्ठम तप	मिथिला
२०.	चंपक (अशोक)	छट्ठ तप	राजगृही
२१.	बकुल (अशोक)	छट्ठ तप	वीरपुर
२२.	वेडस (अशोक)	छट्ठ तप	गोष्ठ (द्वारिका)
२३.	घातकी (अशोक)	अट्ठम तप	कोपकट
२४.	शाल वृक्ष	छट्ठ तप	कोल्लाग

क्रम	४१ पारणा किस व्यक्ति के घर	४२ प्रभु का उत्कृष्ट तप	४३ प्रभु का छद्मस्थ काल
१.	श्रेयांसकुमार	१२ मास	१००० वर्ष
२.	ब्रह्मदत्त	८ मास	१२ वर्ष
३.	सुरेन्द्रदत्त	८ मास	१४ वर्ष
४.	इन्द्रदत्त राजा	८ मास	१८ वर्ष
५.	पद्मराजा	८ मास	२० वर्ष
६.	सोमदत्त	८ मास	६ महिना
७.	महेन्द्र	८ मास	९ महिना
८.	सोमदत्त	८ मास	३ महिना
९.	पुष्पराजा	८ मास	४ महिना
१०.	पुनर्वसु	८ मास	३ महिना
११.	नंदराजा	८ मास	२ महिना
१२.	सुनंद	८ मास	१ महिना
१३.	जयराजा	८ मास	२ महिना
१४.	विजयराजा	८ मास	३ वर्ष
१५.	धर्मसिंह	८ मास	२ वर्ष
१६.	सुमित्रराजा	८ मास	१ वर्ष
१७.	व्याघ्रसिंह	८ मास	१६ वर्ष
१८.	अपराजित	८ मास	३ वर्ष
१९.	विश्वेसन	८ मास	१ अहोरात्रि
२०.	ब्रह्मदत्त	८ मास	११ महिना
२१.	दत्त	८ मास	९ महिना
२२.	वरदत्त	८ मास	५४ दिन
२३.	धन्य	८ मास	८४ दिन
२४.	बहुल ब्राह्मण	६ मास	१२ साल ६ १/२ मास

क्रम	४४ प्रभु का केवलज्ञान कल्याणक तिथि मारवाडी	४५ केवलज्ञान कल्याणक कौनसे नगर में	४६ केवलज्ञान भूमि (वन)
१.	फागण वद ११	पुरिमताल	शकटमुख उद्यान
२.	पोष सुद ११	अयोध्या	सहस्त्राम्रवन
३.	कार्तिक वद ५	सावत्थी	सहस्त्राम्रवन
४.	पोष सुद १४	अयोध्या	सहस्त्राम्रवन
५.	चैत्र सुद ११	अयोध्या	सहस्त्राम्रवन
६.	चैत्र सुद १५	कौशांबी	सहस्त्राम्रवन
७.	फागण वद ६	बनारस	सहस्त्राम्रवन
८.	फागण वद ७	चंद्रपुरी	सहस्त्राम्रवन
९.	कार्तिक सुद ३	काकंदी	सहस्त्राम्रवन
१०.	पोष वद १४	भद्दिलपुर	सहस्त्राम्रवन
११.	महा वद ३०	सिंहपुरी	सहस्त्राम्रवन
१२.	महा सुद २	चंपापुरी	बिहार गृहवन
१३.	पोष सुद ६	कंपिल पुर	सहस्त्राम्रवन
१४.	वैशाख वद १४	अयोध्या	सहस्त्राम्रवन
१५.	पोष सुद १५	रत्नपुरी	वप्रकांचनवन
१६.	पोष सुद ९	हस्तिनापुर (गजपुर)	सहस्त्राम्रवन
१७.	चैत्र सुद ३	हस्तिनापुर (गजपुर)	सहस्त्राम्रवन
१८.	कार्तिक सुद १२	हस्तिनापुर (गजपुर)	सहस्त्राम्रवन
१९.	मगसर सुद १२	मिथिला	उद्यान
२०.	फागण सुद १२	राजगृही	राजगृही का उद्यान
२१.	मगसर सुद ११	मिथिला	मिथिला का उद्यान
२२.	आसोज वद ३०	गिरनार (रैवतगीरी)	रैवतगिरि का उद्यान
२३.	चैत्र वद ४	बनारस (वाराणसी)	वाराणसी का उद्यान
२४.	वैशाख सुद १०	ऋजुवालिका (नदीतट)	ऋजुवालिका नदी तट

क्रम	४७ केवलज्ञान वृक्ष	४८ केवलज्ञान वृक्ष उंचाई	४९ केवलज्ञान तप
१.	वटवृक्ष (वट न्यग्रोध)	तीन कोस (तीन गाउ)	अट्ठम तप
२.	सप्तपर्ण (शाल)	दो गाउ (१४०० धनुष्य)	छट्ठ तप
३.	शाल (प्रियाल)	दो गाउ (८०० धनुष्य)	छट्ठ तप
४.	प्रियंगु (रायण)	दो गाउ (८०० धनुष्य)	छट्ठ तप
५.	छत्र (प्रियंगु)	१ गाउ	छट्ठ तप
६.	वट वृक्ष (छत्र)	$1\frac{1}{2}$ गाउ	छट्ठ तप
७.	शिरिष (नाग)	१ कोस (४०० धनुष्य)	छट्ठ तप
८.	पुन्नाग	१८०० धनुष्य	छट्ठ तप
९.	मल्लि (मालुर)	१२०० धनुष्य	छट्ठ तप
१०.	प्रियंगु	१०८० धनुष्य	छट्ठ तप
११.	तिंदुक	६६० धनुष्य	छट्ठ तप
१२.	पाटल	८४० धनुष्य	चतुर्थ भक्त
१३.	जंबु	७२० धनुष्य	छट्ठ तप
१४.	पीपल	६०० धनुष्य	छट्ठ तप
१५.	दधिपर्ण	५४० धनुष्य	छट्ठ तप
१६.	नंदीवृक्ष	४८० धनुष्य	छट्ठ तप
१७.	तिलक	४२० धनुष्य	छट्ठ तप
१८.	आम्र	३६० धनुष्य	छट्ठ तप
१९.	अशोक	३०० धनुष्य	अट्ठम तप
२०.	चंपक	२४० धनुष्य	छट्ठ तप
२१.	बकुल	१८० धनुष्य	छट्ठ तप
२२.	वेतस	१२० धनुष्य	छट्ठ तप
२३.	घातकी	२७ धनुष्य	अट्ठम तप
२४.	शाल	२१ धनुष्य	छट्ठ तप

	५०	५१	५२
क्रम	प्रभु के प्रथम गणधर के नाम	प्रभु की प्रथम साध्वीजी का नाम	प्रभु के भक्त राजा
१.	पुंडरिक	ब्राह्मी	भरत चक्रवर्ती
२.	सिंहसेन	फाल्गुनी	सगर चक्रवर्ती
३.	चारु	श्यामा	मृगसेन राजा
४.	वज्रनाभ	अजिता	मित्रवीर्य राजा
५.	चरमगणि	काश्यपी	सत्यवीर्य राजा
६.	सुद्योत (सुव्रत)	रति	अजितसेन राजा
७.	विदर्भ	सोमा	दानवीर्य राजा
८.	दत्त	सुमना	मघवा चक्रवर्ती
९.	वराहक	वारुणी	युद्धवीर्य राजा
१०.	आनंद	सुयशा (सुलसा)	सीमंधर राजा
११.	कच्छप (गोशुभ)	धारणी	त्रिपुष्ठ वासुदेव
१२.	सुक्ष्म	धरणी	त्रिपुष्ठ वासुदेव
१३.	मंदर	धरा	स्वयंभू वासुदेव
१४.	यश	पद्मा	पुरुषोत्तम वासुदेव
१५.	अरिष्ट	शिवा	पुरुष वासुदेव
१६.	चक्रायुध	भाविता (शुचि)	कोणालक राजा
१७.	स्वयंभू	रक्षिका (दामिनी)	कुबेर नृपति
१८.	कुंभ	रक्षिता	सुभुम चक्रवर्ती
१९.	भिषक	बंधुमती	अजित राजा
२०.	इन्द्र	पुष्पवती	विजयमहनृप
२१.	कुंभ	अनीला	हरिषेण चक्रवर्ती
२२.	वरदत्त	अक्षदिन्ना	श्रीकृष्ण वासुदेव
२३.	आर्यदत्त	पुष्पचुला	प्रसेनजित राजा
२४.	इन्द्रभूति	चंदनबाला	श्रेणिक राजा

क्रम	५३ प्रभु की गणधर संख्या	५४ प्रभु की साधु म. की संख्या	५५ प्रभु की साध्वीजी म. की संख्या
१.	८४	८४,०००	३,००,०००
२.	९५	१,००,०००	३,३०,०००
३.	१०२	२,००,०००	३,३६,०००
४.	११६	३,००,०००	६,३०,०००
५.	१००	३,२०,०००	५,३०,०००
६.	१०७	३,३०,०००	४,२०,०००
७.	९५	३,००,०००	४,३०,०००
८.	९३	२,५०,०००	३,८०,०००
९.	८८	२,००,०००	१,२०,०००
१०.	८१	१,००,०००	१,०६,०००
११.	७६	८४,०००	१,०३,०००
१२.	६६	७२,०००	१,००,०००
१३.	५७	६८,०००	१,०८,०००
१४.	५०	६६,०००	६२,०००
१५.	४३	६४,०००	६२,०००
१६.	३६	६२,०००	६१,६००
१७.	३५	६०,०००	६०,६००
१८.	३३	५०,०००	६०,०००
१९.	२८	४०,०००	५५,०००
२०.	१८	३०,०००	५०,०००
२१.	१७	२०,०००	४१,०००
२२.	११	१८,०००	४०,०००
२३.	१०	१६,०००	३८,०००
२४.	११	१४,०००	३६,०००

	५६	५७	५८
क्रम	प्रभु के श्रावक संख्या	प्रभु की श्राविका संख्या	केवलज्ञानी
१.	३,५०,०००	५,५४,०००	२०,०००
२.	२,९८,०००	५,४५,०००	२२,०००
३.	२,९३,०००	६,३६,०००	१५,०००
४.	२,८८,०००	५,२७,०००	१४,०००
५.	२,८१,०००	५,१६,०००	१३,०००
६.	२,७६,०००	५,०५,०००	१२,०००
७.	२,५७,०००	४,९३,०००	११,०००
८.	२,५०,०००	४,९१,०००	१०,०००
९.	२,२९,०००	४,७१,०००	७,५००
१०.	२,८९,०००	४,५८,०००	७,०००
११.	२,७९,०००	४,४८,०००	६,५००
१२.	२,१५,०००	४,३६,०००	६,०००
१३.	२,०८,०००	४,३४,०००	५,५००
१४.	२,०६,०००	४,१४,०००	५,०००
१५.	२,४०,०००	४,१३,०००	४,५००
१६.	२,९०,०००	३,९३,०००	४,३००
१७.	१,७९,०००	३,८१,०००	३,२००
१८.	१,८४,०००	३,७२,०००	२,८००
१९.	१,८३,०००	३,७०,०००	२,२००
२०.	१,७२,०००	३,५०,०००	१,८००
२१.	१,७०,०००	३,४८,०००	१,६००
२२.	१,६९,०००	३,३९,०००	१,५००
२३.	१,६४,०००	३,७७,०००	१,०००
२४.	१,५९,०००	३,१८,०००	७००

क्रम	५९ मनः पर्यवज्ञानी	६० अवधिज्ञानी	६१ चतुर्दश पूर्वी
१.	१२,६५०	९,०००	४,७५०
२.	१,४५०	९,४००	३,०५०
३.	१२,१५०	९,६००	२,१५०
४.	११,६५०	९,८००	१,५००
५.	१०,४५०	११,०००	२,४००
६.	१०,३००	१०,०००	२,३००
७.	९,१५०	९,०००	२,०३०
८.	८,०००	८,०००	२,०००
९.	७,५००	८,४००	१,५००
१०.	७,५००	७,२००	१,४००
११.	६,०००	६,०००	१,३००
१२.	६,१००	५,४००	१,२००
१३.	५,५००	४,८००	१,१००
१४.	४,५००	४,३००	९००
१५.	४,५००	३,६००	९००
१६.	४,०००	३,०००	८००
१७.	३,३४०	२,५००	६७०
१८.	२,५५१	२,६००	६१०
१९.	१,७५०	२,२००	६६८
२०.	१,५००	१,८००	५००
२१.	१,२०८	१,६००	४५०
२२.	१,०००	१,५००	४००
२३.	७५०	१,४००	३५०
२४.	७०००	१,३००	३००

क्रम	६२ वैक्रिय लब्धि धारी	६३ वादी धारी मुनि	६४ प्रभु के समय में महाव्रत की संख्या
१.	२०,६००	१२,६५०	५ महाव्रत
२.	२०,४००	१२,४००	४ महाव्रत
३.	१९,८००	१२,०००	४ महाव्रत
४.	१९,०००	१४,०००	४ महाव्रत
५.	१८,४००	१०,४५०	४ महाव्रत
६.	१६,१०८	९,६००	४ महाव्रत
७.	१५,३००	८,४००	४ महाव्रत
८.	१४,०००	७,६००	४ महाव्रत
९.	१३,०००	६,०००	४ महाव्रत
१०.	१२,०००	५,८००	४ महाव्रत
११.	११,०००	५,०००	४ महाव्रत
१२.	१०,०००	४,७००	४ महाव्रत
१३.	९,०००	३,६००	४ महाव्रत
१४.	८,०००	३,२००	४ महाव्रत
१५.	७,०००	२,८००	४ महाव्रत
१६.	६,०००	२,४००	४ महाव्रत
१७.	५,१००	२,०००	४ महाव्रत
१८.	७,३००	१,६००	४ महाव्रत
१९.	२,९००	१,४००	४ महाव्रत
२०.	२,०००	१,२००	४ महाव्रत
२१.	५,०००	१,०००	४ महाव्रत
२२.	१,५००	८००	४ महाव्रत
२३.	१,१००	६००	४ महाव्रत
२४.	७००	१,४००	५ महाव्रत

क्रम	६५ प्रभु के दीक्षा काल	६६ प्रभु का केवलज्ञान काल	६७ आयुष्य
१.	१ लाख पूर्व	१ लाख पूर्व में १ पूर्वांग कम	८४,००,००० पूर्व
२.	१ लाख पूर्व में १ पूर्वांग कम	१ लाख पूर्व में १ पूर्वांग एवं १२ वर्ष कम	७२,००,००० पूर्व
३.	१ लाख पूर्व में ४ पूर्वांग कम	१ लाख पूर्व में १ पूर्वांग एवं १४ वर्ष कम	६०,००,००० पूर्व
४.	१ लाख पूर्व में ८ पूर्वांग कम	१ लाख पूर्व में ८ पूर्वांग एवं ८ वर्ष कम	५०,००,००० पूर्व
५.	१ लाख पूर्व में १२ पूर्वांग कम	१ लाख पूर्व में १२ पूर्वांग एवं २० वर्ष कम	४०,००,००० पूर्व
६.	१ लाख पूर्व में १६ पूर्वांग कम	१ लाख पूर्व में १६ पूर्वांग एवं ६ मास कम	३०,००,००० पूर्व
७.	१ लाख पूर्व में २० पूर्वांग कम	१ लाख पूर्व में २० पूर्वांग एवं ९ मास कम	२०,००,००० पूर्व
८.	१ लाख पूर्व में २४ पूर्वांग कम	१ लाख पूर्व में २४ पूर्वांग एवं ४ मास कम	१०,००,००० पूर्व
९.	१ लाख पूर्व में २८ पूर्वांग कम	१ लाख पूर्व में २८ पूर्वांग एवं ४ मास कम	२,००,००० पूर्व
१०.	२५,००० पूर्व	२५००० वर्ष में ३ मास कम	१,००,००० पूर्व
११.	२१,००,००० वर्ष	२१ लाख वर्ष में २ मास कम	८४,००,००० वर्ष
१२.	५४,००,००० वर्ष	५४ लाख वर्ष में १ मास कम	७२,००,००० वर्ष
१३.	१५,००,००० वर्ष	१५ लाख वर्ष में २ साल कम	६०,००,००० वर्ष
१४.	७,५०,००० वर्ष	१/२ लाख वर्ष में ३ साल कम	३०,००,००० वर्ष
१५.	२,५०,००० वर्ष	१/२ लाख वर्ष में २ साल कम	१०,००,००० वर्ष
१६.	२५,००० वर्ष	२४९९९ वर्ष	१,००,००० वर्ष
१७.	२३,७५० वर्ष	२३७२४ वर्ष	९५,००० वर्ष
१८.	२१,००० वर्ष	२१ हजार वर्ष में ३ साल कम	८४,००० वर्ष
१९.	५,१०० वर्ष	५५ हजार वर्ष में १०० साल कम	५५,००० वर्ष
२०.	७,५०० वर्ष	१/२ हजार वर्ष में ११ मास कम	३०,००० वर्ष
२१.	२,५०० वर्ष	१/२ हजार वर्ष में ९ मास कम	१०,००० वर्ष
२२.	७०० वर्ष	७०० वर्ष में ५४ दिन कम	१,००० वर्ष
२३.	७० वर्ष	७० वर्ष में ८४ दिनकम	१०० वर्ष
२४.	४२ वर्ष	४२ वर्ष में १२ १/२ वर्ष कम	७२ वर्ष

क्रम	६८ मोक्ष कल्याणक तिथि मारवाडी	६९ मोक्ष कल्याणक कौन से नगर में	७० निर्वाण नक्षत्र
१.	महा वद १३	अष्टापद पर्वत	अभिचि
२.	चैत्र सुद ५	सम्मेत शिखर	मृगशीर्ष
३.	चैत्र सुद ५	सम्मेत शिखर	आद्रा
४.	वैशाख सुद ८	सम्मेत शिखर	पुष्य
५.	चैत्र सुद ९	सम्मेत शिखर	पुनर्वसु
६.	मगसर वद ११	सम्मेत शिखर	चित्रा
७.	फागण वद ७	सम्मेत शिखर	मूला
८.	भादरवा वद ८	सम्मेत शिखर	श्रवण
९.	भादरवा सुद ९	सम्मेत शिखर	मूला
१०.	वैशाख वद २	सम्मेत शिखर	पूर्वाषाढा
११.	श्रावण वद ३	सम्मेत शिखर	धनिष्ठा
१२.	आषाढ सुद १४	चंपापुरी	उत्तर भाद्रपद
१३.	आषाढ वद ७	सम्मेत शिखर	रेवती
१४.	चैत्र सुद ५	सम्मेत शिखर	रेवती
१५.	जैठ सुद ५	सम्मेत शिखर	पुष्य
१६.	जेठ वद १३	सम्मेत शिखर	भरणी
१७.	वैशाख वद १	सम्मेत शिखर	कृत्तिका
१८.	मगसर सुद १०	सम्मेत शिखर	रेवती
१९.	फागण सुद १२	सम्मेत शिखर	अश्विनी
२०.	जैठ वद ९	सम्मेत शिखर	श्रवण
२१.	वैशाख वद १०	सम्मेत शिखर	अश्विनी
२२.	आषाढ सुद ८	गिरनार	चित्रा
२३.	श्रावण सुद ८	सम्मेत शिखर	विशाखा
२४.	कार्तिक वद ३०	पावापुरी	स्वाति

	७१	७२	७३
क्रम	निर्वाण राशि	निर्वाण आसन	निर्वाण समय तप
१.	मकर	पद्मासन	छ उपवास (चउदस भक्त)
२.	वृषभ	कार्योत्सर्ग	एक मास
३.	मिथुन	कार्योत्सर्ग	एक मास
४.	कर्क	कार्योत्सर्ग	एक मास
५.	कर्क	कार्योत्सर्ग	एक मास
६.	कन्या	कार्योत्सर्ग	एक मास
७.	वृश्चिक	कार्योत्सर्ग	एक मास
८.	वृश्चिक	कार्योत्सर्ग	एक मास
९.	धन	कार्योत्सर्ग	एक मास
१०.	धन	कार्योत्सर्ग	एक मास
११.	कुंभ	कार्योत्सर्ग	एक मास
१२.	मीन	कार्योत्सर्ग	एक मास
१३.	मीन	कार्योत्सर्ग	एक मास
१४.	मीन	कार्योत्सर्ग	एक मास
१५.	कर्क	कार्योत्सर्ग	एक मास
१६.	मेष	कार्योत्सर्ग	एक मास
१७.	वृषभ	कार्योत्सर्ग	एक मास
१८.	मीन	कार्योत्सर्ग	एक मास
१९.	मेष	कार्योत्सर्ग	एक मास
२०.	मकर	कार्योत्सर्ग	एक मास
२१.	मेष	कार्योत्सर्ग	एक मास
२२.	तुला	पद्मासन	एक मास
२३.	तुला	कार्योत्सर्ग	एक मास
२४.	तुला	पद्मासन	छट्ठ तप

क्रम	७४ कितने के साथ मोक्ष	७५ निर्वाण समय	७६ प्रभु के निर्वाण के बाद आंतरा
१.	१०,०००	दिन के पहले भाग में	५० लाख कोटी सागरोपम
२.	१,०००	दिन के पहले भाग में	३० लाख कोटी सागरोपम
३.	१,०००	दिन के पिछले भाग में	१० लाख कोटी सागरोपम
४.	१,०००	दिन के प्रथम प्रहर	९ लाख कोटी सागरोपम
५.	१,०००	दिन के प्रथम प्रहर	९० हजार कोटी सागरोपम
६.	३०८	दिन के अंतिम प्रहर	९ हजार कोटी सागरोपम
७.	५००	दिन के प्रथम प्रहर	९०० करोड सागरोपम
८.	१,०००	दिन के प्रथम प्रहर	९० करोड सागरोपम
९.	१,०००	दिन के अंतिम प्रहर	९ करोड सागरोपम
१०.	१,०००	दिन के प्रथम प्रहर	९ करोड सागरोपम में १०० सागरोपम कम
११.	१,०००	दिन के प्रथम प्रहर	५४ सागरोपम
१२.	६००	दिन के अंतिम प्रहर	३० सागरोपम
१३.	६,०००	रात्रि के प्रथम प्रहर	९ सागरोपम
१४.	७,०००	रात्रि के प्रथम प्रहर	४ सागरोपम
१५.	१०८	रात्रि के अंतिम प्रहर	३ सागरोपम में ३/४ पल्यन्युन
१६.	९००	रात्रि के प्रथम प्रहर	१/२ पल्योपम
१७.	१,०००	रात्रि के प्रथम प्रहर	१/४ पल्योपम में हजार करोड वर्ष कम
१८.	१,०००	रात्रि के अंतिम प्रहर	१ हजार कोटी वर्ष
१९.	५००	रात्रि के प्रथम प्रहर	५४ लाख वर्ष
२०.	१,०००	रात्रि के प्रथम प्रहर	६ लाख वर्ष
२१.	१,०००	रात्रि के प्रथम प्रहर	५ लाख वर्ष
२२.	५३६	रात्रि के अंतिम प्रहर	८३७५० वर्ष
२३.	३३।	रात्रि के प्रथम प्रहर	२५० वर्ष
२४.	अकेले	रात्रि के मध्यम प्रहर	— —

	७७	७८	७९
क्रम	प्रभु का समवसरण की रचना	प्रथम देशना का विषय	प्रभु के शासन में नये तीर्थंकर भ. के आत्मा
१.	४८ कोस (१४४ कि.मी.)	यतिधर्म एवं श्रावक धर्म	मरिचि
२.	४६ कोस (१३८ कि.मी.)	धर्मध्यान के चार पाया	—
३.	४४ कोस (१३२ कि.मी.)	अनित्य भावना	—
४.	४२ कोस (१२६ कि.मी.)	अशरण भावना	—
५.	४० कोस (१२० कि.मी.)	एकत्व भावना	—
६.	३८ कोस (११४ कि.मी.)	संसार भावना	—
७.	३६ कोस (१०८ कि.मी.)	अन्यत्व भावना	वर्मा राजा
८.	३४ कोस (१०२ कि.मी.)	अशुची भावना	—
९.	३२ कोस (९६ कि.मी.)	आश्रव भावना	—
१०.	३० कोस (९० कि.मी.)	संवर भावना	हरिषेण-विश्वभूति
११.	२८ कोस (८४ कि.मी.)	निर्जरा भावना	श्रीकेतु-त्रिपुष्ठधन मरुभूति-श्रीकेतु-अमिततेज
१२.	२६ कोस (७८ कि.मी.)	धर्म भावना	नंद-नंदन-शंख-सिद्धार्थ
१३.	२४ कोस (७२ कि.मी.)	बोधिदुर्लभ भावना	—
१४.	२२ कोस (६६ कि.मी.)	लोक भावना	—
१५.	२० कोस (६० कि.मी.)	मोक्ष का उपाय.	—
१६.	१८ कोस (५४ कि.मी.)	इन्द्रियों का विजय	—
१७.	१६ कोस (४८ कि.मी.)	मनः शुद्धि	—
१८.	१४ कोस (४२ कि.मी.)	रागद्वेष मोह पर विजय	—
१९.	१२ कोस (३६ कि.मी.)	सामायिक के उपर	—
२०.	१० कोस (३० कि.मी.)	यतिधर्म एवं श्रावक धर्म	श्रीवर्मा-रावण-नारद
२१.	८ कोस (२४ कि.मी.)	श्रावक करणी	—
२२.	६ कोस (१५ कि.मी.)	चार महाविगई के पर	श्रीकृष्ण
२३.	५ कोस (१२ कि.मी.)	१२ व्रत १५ कर्मा दान के वर्णन	अंबड-सत्यकी-आनंद
२४.	४ कोस (१ योजन)	यतिधर्म गृहस्थ. धर्म गणधर वाद	श्रेणीक सुपार्श्व पोटील उदायी-दृढायु-शंख-शतक-सुलसा-रेवति

	८०	८१	८२
क्रम	प्रभु के यक्ष के नाम	प्रभु की यक्षिणी का नाम	प्रभु के यक्ष का वाहन
१.	गोमुख	चक्रेश्वरी	हाथी
२.	महायक्ष	अजिता	हाथी
३.	त्रिमुख	दुरितारी	मयुर
४.	यक्षेश्वर	कालिका	हाथी
५.	तुंबरु	महाकाली	गरुड (मृग)
६.	कुसुम	श्यामा	हरण
७.	मातंग	शान्ता	हाथी
८.	विजय	भृकुटि	हंस
९.	अजित	सुतारका (सुतारा)	काचबो
१०.	ब्रह्म	अशोका	पद्म
११.	ईश्वर (मनुज)	मानवी	बैल
१२.	कुमार	चंदा	हंस
१३.	षण्मुख	विदिता	मयुर
१४.	पाताल	अंकुशा	मगर
१५.	किन्नर	कंदर्पा	काचबो
१६.	गरुड	निर्वाणी	भूंड
१७.	गंधर्व	अच्युता	हंस
१८.	यक्षराज	धरणी	शंख
१९.	कुबेर	वैरोट्या	हाथी
२०.	वरुण	दत्ता	बैल
२१.	भृकुटि	गांधारी	बैल
२२.	गोमेध	अंबिका	पुरुष
२३.	पार्श्व	पद्मावती	कच्छुआ
२४.	मातंग	सिद्धायिका	हाथी

क्रम	८३ प्रभु के यक्षिणी का वाहन	८४ प्रभु के यक्ष का वर्ण	८५ प्रभु की यक्षिणी का वर्ण
१.	गरुड	सुवर्ण	सुवर्ण
२.	गाय	श्याम	सुवर्ण
३.	मेष	श्याम	गौरवर्ण
४.	पद्म	श्याम	श्याम
५.	पद्म	श्वेत	सुवर्ण
६.	मनुष्य	नील	श्याम
७.	हाथी	श्याम	सुवर्ण
८.	हंस	पीला	पीला
९.	बैल	श्वेत	गौरवर्ण
१०.	पद्म	श्वेत	नील
११.	सिंह	श्वेत	गौरवर्ण
१२.	घोडा	श्वेत	श्याम
१३.	पद्म	श्वेत	हरिताल
१४.	पद्म	रक्त वर्ण	गौरवर्ण
१५.	मच्छ	रक्त वर्ण	गौरवर्ण
१६.	पद्म	श्याम	गौरवर्ण
१७.	मयुर	श्याम	गौरवर्ण
१८.	पद्म	श्याम	नीलवर्ण
१९.	पद्म	इंद्रायुध वर्ण	कृष्णवर्ण
२०.	भद्रासन	श्वेत वर्ण	गौरवर्ण
२१.	हंस	सुवर्ण	श्वेत वर्ण
२२.	सिंह	श्याम वर्ण	सुवर्ण
२३.	कुर्कट सर्प	कृष्ण वर्ण	सुवर्ण
२४.	सिंह	श्याम वर्ण	श्याम वर्ण

प्रकरण - २

वीश विहरमान भगवान का संक्षिप्त परिचय

	८६	८७	८८
क्रम	विहरमान तीर्थंकर भ. का नाम	विहरमान तीर्थंकर भ. के माता का नाम	विरहमान तीर्थंकर भ. के पिता का नाम
१.	सिमंधर स्वामी	सत्यकी	श्रेयांस
२.	युगमंधर स्वामी	सुतारा	सुदृढ
३.	बाहु स्वामी	विजया	सुग्रीव
४.	सुबाहु स्वामी	सुनंदा	निषेध
५.	सुजात स्वामी	देवसेना	देवसेन
६.	स्वयंप्रभ स्वामी	सुमंगला	चित्रभूति
७.	ऋषभानन स्वामी	वीरसेना	किर्तिराजा
८.	अनंतवीर्य स्वामी	मंगलावती	मेघराजा
९.	सुरप्रभ स्वामी	विजयावती	विजयसेन
१०.	विशालप्रभ स्वामी	भद्रावती	नागराजा
११.	वज्रधर स्वामी	सरस्वती	पद्मरथ
१२.	चंद्रानन स्वामी	पद्मावती	वाल्मिक
१३.	चंद्रबाहु स्वामी	रेणुका	देवानंद (देवकर)
१४.	भूजंगदेव स्वामी	यशोज्वला	महाबल
१५.	ईश्वर स्वामी	महिमा	वज्रसेन
१६.	नेमिप्रभ स्वामी	सेनादेवी	वीरराज
१७.	वीरसेन स्वामी	भानुमति	भूमिपाल
१८.	महाभद्र स्वामी	उमादेवी	देवसेन(देवराज
१९.	देवसेन स्वामी	गंगादेवी	सर्वानुभूति
२०.	अनंतवीर्य स्वामी	कनिका (कननी)	राजपाल

	८९	९०	९१
क्रम	वीश विहरमान भ. की पत्नी का नाम	वीश विरहमान भ. की नगरी का नाम	वीश विरहमान भ. के लांछन
१.	रुक्मणी	पुंडरिकिणी	वृषभ
२.	प्रियमंगला (प्रियगंमा)	सुशीमा	गजराज (बकरो)
३.	मोहिनी	वितशोका	मृग
४.	किंपुरिसा	विजया	वांदरो (वानर)
५.	जयसेना	पुंडरिकिणी	सूर्य
६.	वीरसेना (प्रियसेना)	सुशीमा	चन्द्र
७.	विजयावती (कुंतीदेवी)	वितशोका	सिंह
८.	जयवंती	विजया	बकरो
९.	नंदसेना (निर्मला)	पुंडरिकिणी	सूर्य
१०.	विमलादेवी	सुशीमा	चन्द्र
११.	विजयावती	वितशोका	वृषभ
१२.	लीलादेवी	विजया	वृषभ
१३.	सुगंधादेवी	पुंडरिकिणी	पद्मकमल
१४.	गंधसेना (गर्वसेना)	सुशीमा	चन्द्र
१५.	भद्रावती	वितशोका	पद्मकमल
१६.	मोहिनी	विजया	सूर्य
१७.	राजसेना	पुंडरिकिणी	ऋषभ
१८.	सुरकान्ता	सुशीमा	हाथी
१९.	पद्मावती	वितशोका	चन्द्र
२०.	रत्नावती (रत्नमाला)	विजया	स्वस्तिक

क्रम	१२ विहरमान भ. के मेरु पर्वत	१३ विहरमान भ. के द्वीप एवं क्षेत्र का नाम	१४ विरहमान भ. के विजया का नाम
१.	सुदर्शन मेरु	जंबुद्वीप (पूर्व महाविदेह)	८वी पुष्कलावती
२.	सुदर्शन मेरु	जंबुद्वीप (पश्चिम महाविदेह)	२५वी वप्रा
३.	सुदर्शन मेरु	जंबुद्वीप (पूर्व महाविदेह)	९ वच्छ (वत्स)
४.	सुदर्शन मेरु	जंबुद्वीप (पश्चिम महाविदेह)	२४ नलीनावती
५.	विजय मेरु	घातकी खंड पूर्वार्ध (पूर्व महा)	८वी पुष्कलावती
६.	विजय मेरु	घातकी खंडपूर्वार्ध (पश्चिम महा)	२५वी वप्रा
७.	विजय मेरु	घातकी खंड पूर्वार्ध (पूर्व महा)	९वी वच्छ
८.	विजय मेरु	घातकी खंड (पश्चिम महा)	२४वी नलिनावती
९.	अचल मेरु	पश्चिम घातकी खंड (पूर्व महा)	८वी पुष्कलावती
१०.	अचल मेरु	पश्चिम घातकी खंड (पश्चिम महा)	२५वी वप्रा
११.	अचल मेरु	पश्चिम घातकी खंड (पूर्व महा)	९ वी वच्छ
१२.	अचल मेरु	पश्चिम घातकी खंड (पश्चिम महा)	२४वी नलिनवती
१३.	पुष्कर (मन्दर)	पूर्व पुष्करार्ध (पश्चिम महा)	८वी पुष्कलावती
१४.	पुष्कर (मन्दर)	पूर्व पुष्करार्ध (पूर्व महा)	२५वी वप्रा
१५.	पुष्कर (मन्दर)	पूर्व पुष्करार्ध (पश्चिम महा)	९वी वच्छ
१६.	पुष्कर (मन्दर)	पश्चिम पुष्करार्ध (पूर्व महा)	२४वी नलिनवती
१७.	विद्युन्माली मेरु	पश्चिम पुष्करार्ध (पूर्व महा)	८वी पुष्कलावती
१८.	विद्युन्माली मेरु	पश्चिम पुष्करार्ध (पश्चिम महा)	२५वी वप्रा
१९.	विद्युन्माली मेरु	पश्चिम पुष्करार्ध (पूर्व महा)	९वी वच्छ
२०.	विद्युन्माली मेरु		२४वी नलिनवती

क्रम	९५ च्यवन कल्याणक मारवाडी	९६ जन्म कल्याणक मारवाडी	९७ वीश विहरमान भ. के शरीर प्रमाण
१.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
२.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
३.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
४.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
५.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
६.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
७.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
८.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
९.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
१०.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
११.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
१२.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
१३.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
१४.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
१५.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
१६.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
१७.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
१८.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
१९.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य
२०.	श्रावण वदी ५	वैशाख वदी १०	५०० धनुष्य

क्रम	९८ वीश विहरमान भ. का गृहस्थावास	९९ वीश विहरमान भ. के दीक्षा कल्याणक गु.मा.	१०० वीश विहरमान भ. के दीक्षा वृक्ष
१.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
२.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
३.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
४.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
५.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
६.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
७.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
८.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
९.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
१०.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
११.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
१२.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
१३.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
१४.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
१५.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
१६.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
१७.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
१८.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
१९.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष
२०.	८३,००,००० पूर्व	फागण सुद १०	अशोक वृक्ष

क्रम	१०१ वीश विहरमान भ. का छदमूस्थ अवस्था	१०२ वीश विहरमान भ. के केवलज्ञान कल्याणक गु.मा.	१०३ वीश विहरमान भ. के गणधर
१.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
२.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
३.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
४.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
५.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
६.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
७.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
८.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
९.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
१०.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
११.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
१२.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
१३.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
१४.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
१५.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
१६.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
१७.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
१८.	१००० वर्ष.	चैत्र सुद १३	८४
१९.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४
२०.	१००० वर्ष	चैत्र सुद १३	८४

क्रम	१०४ वीश विहरमान भ. के केवलज्ञानी परिवार	१०५ वीश विहरमान भ. के साधु म. का परिवार	१०६ वीश विहरमान भ. के साध्वीजी म. का परिवार
१.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
२.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
३.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
४.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
५.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
६.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
७.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
८.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
९.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
१०.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
११.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
१२.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
१३.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
१४.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
१५.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
१६.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
१७.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
१८.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
१९.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड
२०.	१०,००,०००	१०० क्रोड	१०० क्रोड

क्रम	१०७ वीश विहरमान भ. के श्रावको का परिवार	१०८ वीश विहरमान भ. के श्राविका का परिवार	१०९ वीश विहरमान भ. का चारित्र पर्याय
१.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
२.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
३.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
४.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
५.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
६.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
७.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
८.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
९.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
१०.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
११.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
१२.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
१३.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
१४.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
१५.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
१६.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
१७.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
१८.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
१९.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व
२०.	९०० क्रोड	९०० क्रोड	१,००,००० पूर्व

क्रम	११० वीश विहरमान भ. के सर्वायु	१११ वीश विहरमान भ. के निर्वाण दिन
१.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
२.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
३.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
४.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
५.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
६.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
७.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
८.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
९.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
१०.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
११.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
१२.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
१३.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
१४.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
१५.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
१६.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
१७.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
१८.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
१९.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३
२०.	८४ ,००,००० पूर्व	श्रावण सुद ३

भावी चोवीशी

क्रम	तीर्थंकर भ. के नाम	किसका जीव था	लांछन	राशी
१.	पद्मनाभ	श्रेणीक महाराजा का	केसरी सिंह	कन्या
२.	शूरदेव	वीरप्रभु का काका सुपार्श्व	नीलसर्प	तुला
३.	सुपार्श्वजी	वीरप्रभु का श्रावक पोट्टील	शंख	कन्या
४.	स्वयंप्रभ	द्रढायु का जीव	नीलकमल	मेष
५.	सर्वानुभूति	कार्तिक शेठ का जीव	काचबो	मकर
६.	देवश्रुत	शंख नामके श्रावक	कुंभकलश	मेष
७.	उदयनाथ	नंद का जीव	नंदावर्त	मीन
८.	पेढालनाथ	सुनंद का जीव	छाग-बोकडो	वृषभ
९.	पोटिलनाथ	कैकसी का जीव	हरिण	मेष
१०.	शतकीर्ति	शतक श्रावक का जीव	वज्र	कर्क
११.	सुव्रतजिन	सत्यकी का जीव	सिंचाणो	मीन
१२.	अमम	कृष्ण वासुदेव का जीव	वराह	मीन
१३.	निष्कषाय	बलदेव का जीव	महिष	कुंभ
१४.	निष्पुलाक	रोहिणी का जीव	गेंडो	मकर
१५.	निर्ममनाथ	सुलसा श्राविका का जीव	श्रीवत्स	धन
१६.	चित्रगुप्त	रेवती श्राविका का जीव	मगर	धन
१७.	समाधिनाथ	गवाली का जीव	चंद्र	वृश्चिक
१८.	संवर	शतानिक का जीव	स्वस्तिक	तुला
१९.	यशोधर	द्वीपायन का जीव	लालकमल	कन्या
२०.	विजय	कर्ण का जीव	सारस	सिंह
२१	मल्लदेव	८वां नारद का जीव	कपि	मिथुन
२२	देवजिन	अंबड तापस का जीव	अश्व	मिथुन
२३	अनंतवीर्य	अमरकुमार का जीव	हाथी	वृषभ
२४	भद्रजिन	स्वाती का जीव	वृषभ	धन

११३

आदिनाथ भगवान के तेरह भव

(१) धनसार्थवाह (२) उत्तरकुरुक्षेत्र युगलिक (३) सौधर्म देवलोक (४) महाबल राजा (५) इशान देवलोक (६) वज्रजंघ (७) उत्तर कुरुक्षेत्र युगलिक (८) सौधर्म देवलोक (९) जीवानंद वैद्य (१०) अच्युत देवलोक (११) वज्रनाभ चक्रवर्ती (१२) सर्वार्थ सिद्ध (१३) ऋषभदेव

११४

चन्द्रप्रभ भगवान के सात भव

(१) चर्मरुप (धर्मराजा) (२) सौधर्म देवलोक (३) अजितसेन राजा (४) अच्युत देवलोक (५) पद्मराजा (६) विजयन्त देवलोक (७) चंद्रप्रभ भ.

११५

शांतिनाथ भगवान के बारह भव

(१) श्रीषेण राजा (२) उत्तरकुरुक्षेत्र में युगलिक (३) सौधर्मेन्द्र (४) अमितगति विद्याधर (५) प्राणतदेवलोक (६) बलभद्र राजा (७) अच्युत देवलोक (८) वज्रयुद्ध चक्री (९) ग्रैवेयक देवलोक (१०) मेघरथराजा (११) सर्वार्थसिद्ध देवलोक (१२) शांतिनाथ भ.

११६

मुनिसुव्रत स्वामी भगवान के नव भव

(१) शिवकेतुराजा (२) सौधर्मेन्द्र देवलोक (३) कुबेरदत्त (४) सनत्कुमार देवलोक (५) वज्रकुंडलराजा (६) ब्रह्म देवलोक (७) श्री वर्म राजा (८) अपराजित देवलोक (९) मुनिसुव्रत स्वामी भ.

११७

नेमिनाथ भगवान के नव भव

(१) धनराजा (२) ब्रह्म देवलोक (३) चित्रगति विद्याधर (४) माहेन्द्र देवलोक (५) अपराजीत राजा (६) आरण्य देवलोक (७) शंखराजा (८) अपराजीत देवलोक (९) नेमनाथ भ.

११८

पार्श्वनाथ भगवान के दश भव

(१) मरुभूति (२) हाथी (३) सहस्त्रार देवलोक (४) किरणवेग विद्याधर (५) अच्युत देवलोक (६) वज्रनाभ राजा (७) मध्यम ग्रेवैयक (८) सुवर्णबाहु चक्रवर्ती (९) प्राणत देवलोक (१०) पार्श्वनाथ भ.

११९

महावीर स्वामी भगवान के २७ भव

(१) नयसार नामके ग्राम मुखी (२) सौधर्म (३) मरिचि राजकुमार (४) ब्रह्म देवलोक (पांचवा) (५) कौशिक (६) पुष्पमित्र ब्राह्मण (७) सौधर्म देवलोक (८) अग्निद्योत ब्राह्मण (९) इशान देवलोक (दुसरा) (१०) अग्निभूति ब्राह्मण (११) सनत्कुमार देवलोक (१२) भारद्धाज ब्राह्मण (१३) विश्वभूति राजकुमार (१७) महाशुक्र देवलोक (१८) त्रिपृष्ठ वासुदेव (१९) सातवी नरक (२०) सिंह (२१) चोथी नरक (२२) विमल राजा (२३) प्रियमित्र चक्रवर्ती (२४) महाशुक्र देवलोक (२५) नंदन राजकुमार (२६) प्राणत देवलोक (२७) महावीर स्वामी भ.

(दूसरे सब तीर्थंकर भगवान का तीन तीन भव हुआ हैं)

(१) मनुष्य (२) देवलोक (३) तीर्थंकर

१२०

आदिनाथ भगवान को खुद के परिवार के साथ पांच भव

(१)	जीवानंद	महिधर	सुबुद्धि	पुर्णभद्र	गुणाकर	केशव
(२)	देवलोक	देवलोक	देवलोक	देवलोक	देवलोक	देवलोक
(३)	वज्रनाभ	बाहु	सुबाहु	पीठ	महापीठ	सुयश सारथी
(४)	सर्वार्थ सिद्ध	देवलोक	देवलोक	देवलोक	देवलोक	देवलोक
(५)	ऋषभदेव	भरत	बाहुबली	ब्राह्मी	सुंदरी	श्रेयांसकुमार

१२१
नेमनाथ भगवान के नव भव

भव	नगरी	माता	पिता	नाम	विशेष
(१)	अचलपुर	धारिणि	विक्रम धन	धनराज	संयम
(२)	सौधर्म देव	—	—	—	—
(३)	सुरतेज	विद्युतमती	सुर चक्री	चित्रगती विद्याधर	संयम
(४)	माहेन्द्र देवलोक	—	—	—	—
(५)	सिद्धपुर	प्रियदर्शना	हरिनंदी	अपराजीत	संयम
(६)	आरण देवलोक	—	—	—	
(७)	हस्तिनापुर	श्रीमती राणी	श्रीषेण राजा	शंखराजा	संयम
(८)	अपराजीत देवलोक		—	—	—
(९)	सूर्यपुर	शिवादेवी	समुद्रविजय	नेमनाथ	संयम

१२२
राजीमती (राजुल) के नव भव

भव	नगरी	माता	पिता	नाम	विशेष
(१)	कुसुमपुर	विमला	सिंहराजा	धनवती	संयम
(२)	सौधर्म देवलोक	—	—	—	—
(३)	शिवमंदिर	शशिप्रभा	अनंगसिंह	रत्नवती	संयम
(४)	माहेन्द्र देवलोक	—	—	—	—
(५)	जनानंद	धारिणी	जीतशत्रुराजा	प्रितिमती	संयम
(६)	आरण्य देवलोक	—	—	—	—
(७)	चंपापुरी	किर्तिमती	जितारीराजा	यशोमती	संयम
(८)	अपराजीत	अनुत्तर विमान—		—	—
(९)	मथुरा	धारिणी	उग्रसेन	राजीमती	संयम

१२३

समरादित्य केवली के नव भव

भव	नगरी	माता	पिता	नाम	विशेष
(१)	क्षितिप्रतिष्ठित	कुमुदिनि	पूर्णचंद्रराजा	गुणसेन	राजपुरोहित पुत्रो
(२)	जयपुर	श्रीकान्ता	पुरुषदत्त	सिंहराजा	पिता-पुत्र
(३)	कौशांबी	जालिनी	ब्रह्मदत्त	शिखीकुमार	माता-पुत्र
(४)	सुशर्मनगर	श्रीदेवी	सुधन्वराजा	धन	पति-पत्नी
(५)	काकंदी	लीलावती	सूरतेजराजा	जय	दोनोभैया
(६)	माकंदी	हारप्रभा	बंधुदत्त शेठ	धरण	पति-पत्नी
(७)	चंपा	जयसुंदरी	अमरसेनराजा	सेन	पितराइ भैया
(८)	अयोध्या	पद्मावती	मैत्रीबलराजा	गुणचंद्र	–
(९)	उज्जेणी	सुंदरी	पुरुषसिंहराजा	समरादित्य	राजा-चंडाल

१२४

नलराजा एवं दमयंती सती के भव

भव	नगरी	पति	पत्नी
(१)	संगर	मम्मणराजा	वीरमतीराणी
(२)	देवलोक में देव-देवी हुआ		
(३)	पोतनपुर	धन्य भरवाड	धुसरी
(४)	हेमवंत क्षेत्र में युगलिक हुआ		
(५)	देवलोक में क्षीर कंकर एवं क्षीरकंकरा देवी हुई		
(६)	कोशला	नलराजा	दमयंती
(७)	उत्तरदिशा के कुबेर नामक लोकपाल (नल) कुबेरदेवी (दमयंती)		
(८)	द्वारिका	कृष्णराजा की पत्नि	कनकावती राणी

१२५

सुनंदा रुपसेन के सात भव सुनंदा मोक्ष में गई

रुपसेन का भव : (१) रुपसेन (२) गर्भ में (३) सर्प (४) कौए (५) हंस (६) हरिण (७) हाथी (८) देवलोक मे गये ।

१२६

श्रीपालराजा की नव रानी का नाम एवं माता-पिता नगरी का नाम

	राणी का नाम	नगरी	माता	पिता
(१)	मयणासुंदरी	उज्जयिणि	रुपसुंदरी	प्रजापाल
(२)	मदनसेना	बब्बरकोट		महाकाल
(३)	मदनमंजुषा	रत्नसंचया	रत्नमाला	कनककेतु
(४)	मदनमंजरी	थाणा		वसुपाल
(५)	गुणसुंदरी	कुंडलपुर	कपुर तिलका	मकर केतु
(६)	त्रैलोक्यसुंदरी	कंचनपुर	कंचनमाला	वज्रसेना
(७)	श्रृंगारसुंदरी	दलपतनगर	गुणमाला	धरापाल
(८)	जयसुंदरी	कोल्लाकपुर	विजयाराणी	पुरंदर राजा
(९)	तिलकसुंदरी	सोपारकनगर	तारामती	महसेनराजा

१२७

पवनपुत्र हनुमान के सात भव

भव	नगरी	माता	पिता	नाम	विशेष
(१)	मंदरनगर	जया	प्रियनंदीवणिक	दमयंत	श्रद्धावान श्रावक
(२)	दुसरा देवलोक में				
(३)	मृंगाकनगर	प्रियंगुराणी	हरिचन्द्रराजा	सिंहचंद्र	धर्मिष्ठ
(४)	देवलोक	–	–	–	–
(५)	वारुणनगर	–	–	सिंहवाहन	लक्षीधर मुनि पासे दिक्षा
(६)	देवलोक	–	–	–	–
(७)	आदित्यपुर	अंजना	पवनंजय	हनुमान	मोक्ष

१२८

महावीर स्वामी भगवान के ११ (ग्यारह) गणधर एवं परिवार पर्याय

	नाम	गांव का नाम	माता का नाम	पिता का नाम	गृहस्थ अवस्था
(१)	इन्द्रभूति	गोबर	पृथ्वी	वसुभूति	५० साल
(२)	अग्निभूति	गोबर	पृथ्वी	वसुभूति	४६ साल
(३)	वायुभूति	गोबर	पृथ्वी	वसुभूति	४२ साल
(४)	व्यक्त	कोल्लाक	वारुणी	धनुर्मित्र	५० साल
(५)	सुधर्मा	कोल्लाक	भद्रिला	धम्मिल	५० साल
(६)	मंडित	मोर्य	विजया	धनदेव	४३ साल
(७)	मोर्य पुत्र	मोर्य	विजया	मोर्य	६५ साल
(८)	अकंपित	विमलापुरी	जयंति	देव	४८ लाख
(९)	अचलभ्राता	कोला	नंदा	वसु	३६ साल
(१०)	मेतार्य	तुंगीर	करुणा	दत्त	३६ साल
(११)	प्रभास	राजगृही	अतिभद्रा	बल	१६ साल

१२९

११ गणधर

	छद्मस्थ अवस्था	केवली अवस्था	शिष्य (संख्या)	आयुष्य
(१)	३० साल	१२ साल	५००	९२ साल
(२)	१२ साल	१६ साल	५००	७४ साल
(३)	१० साल	१८ साल	५००	७० साल
(४)	१२ साल	१८ साल	५००	८० साल
(५)	४२ साल	८ साल	५००	१०० साल
(६)	१४ साल	१६ साल	३५०	८३ साल
(७)	१४ साल	१६ साल	३५०	९५ साल
(८)	९ साल	२१ साल	३००	७८ साल
(९)	१२ साल	१४ साल	३००	६२ साल
(१०)	१० साल	१६ साल	३००	६२ साल
(११)	८ साल	१६ साल	३००	४० साल

महान पुरुषों के पूर्व भव के नाम

	भव के नाम	पूर्व भव के नाम
(१)	श्रीपालराजा	श्रीकांतराजा
(२)	अजितसेन मुनि	सिंहराजा
(३)	कुमारपाल राजा	जयताक
(४)	इलाचीकुमार	अग्निशर्मा ब्राह्मण
(५)	श्रेणीक राजा	सुमंगल राजा
(६)	कोणीक	श्येनक तापस
(७)	समरादित्य केवली	गुणचंद्र
(८)	मेतार्य मुनि	सौवस्तिक
(९)	वज्रस्वामी	जृंबकदेव
(१०)	नंदिषेण	भीमनामक दास
(११)	शालिभद्र	संगम
(१२)	हेमचंद्राचार्य	यशोभद्रसुरी
(१३)	जंबुस्वामी	शिवकुमार
(१४)	चिलाती पुत्र	यज्ञदेव ब्राह्मण
(१५)	श्रीमती	बंधुमती
(१६)	मेघकुमार	मेरु प्रभ हाथी
(१७)	आर्द्रकुमार	सोमादित्य (सामायिक)
(१८)	हरिकेशी बल	सोमदेव पुरोहित
(१९)	शुलपाणी यक्ष	धवलनामक बेल
(२०)	मृगापुत्र	राष्ट्रकुट राजा
(२१)	शंखराजा	पोपट
(२२)	सुदर्शन शेठ	सुभत्र गोवाल
(२३)	जटायु पक्षी	दंडक राजा
(२४)	ढंढण मुनी	पारासर ब्राह्मण
(२५)	वरदत्तकुमार	वसुदेव सुरि
(२६)	ओढर श्रावक	उदायन मंत्री

(२७)	अकबर बादशाह	मुकुंद ब्रह्मचारी
(२८)	हालिक खेडुत	सुदृष्ट नागकुमार देव
(२९)	कृतपुण्य	गोवाल पुत्र
(३०)	तेतली पुत्र	महापद्म राजा
(३१)	मयणा सुंदरी	श्रीमती राणी
(३२)	सुंदरी (अक्षयनिधि)	सर्वऋद्धि
(३३)	अंजना सुंदरी	कंकोदरी राणी
(३४)	द्रौपदी सती	सुकुमालिका
(३५)	कलावती	सुलोचना
(३६)	सीता	वेगवती
(३७)	ऋषिदत्ता	गंगासेना
(३८)	वसंततिलका	जयश्री साध्वी
(३९)	गुणमंजरी	सुंदरी
(४०)	भरत (चक्रवर्ती)	बाहु मुनी
(४१)	मघवा (चक्रवर्ती)	नरपतिराजा
(४२)	सनतकुमार (चक्री)	विक्रमयशा राजा (जिन धर्मकुमार)
(४३)	सुभूम (चक्रवर्ती)	भूपाल राजा
(४४)	महापद्म (चक्रवर्ती)	प्रजापाल
(४५)	हरिषेण (चक्रवर्ती)	नराभिराम राजा
(४६)	जय (चक्रवर्ती)	वसुंधर राजा
(४७)	ब्रह्मदत्त (चक्रवर्ती)	संभूति मुनि
(४८)	त्रिपृष्ठ वासुदेव	विश्वभूति मुनि
(४९)	द्विपृष्ठ वासुदेव	पर्वतराजा
(५०)	स्वयंभू वासुदेव	धनमित्र
(५१)	पुरुषोत्तम वासुदेव	समुद्रदत्त
(५२)	पुरुषसिंह वासुदेव	विकट राजा
(५३)	पुरुष पुंडरिक वासुदेव	प्रियमित्र राजा
(५४)	दत्त वासुदेव	ललितमित्र राजा
(५५)	लक्ष्मण वासुदेव	पुनर्वसु विद्याधर

(५६)	कृष्ण वासुदेव	गंगदत्त
(५७)	अचल बलदेव	सुबल राजा
(५८)	विजय बलदेव	पवन वेगराजा
(५९)	भद्र बलदेव	नंदिसुमित्र राजा
(६०)	सुप्रभ बलदेव	महाबल राजा
(६१)	सुदर्शन बलदेव	पुरुष वृषभ राजा
(६२)	आनंद बलदेव	सुदर्शन राजा
(६३)	नंदन बलदेव	वसुधर राजा
(६४)	राम बलदेव (पद्म)	श्री चन्द्रकुमार
(६५)	राम (रोहीणी के पुत्र)	ललित
(६६)	तारक (प्रति वासुदेव)	विंध्यशक्ति राजा
(६७)	मेरक (प्रति वासुदेव	बलिराजा
(६८)	मधु (प्रति वासुदेव)	चंडशासन
(६९)	निशुंभ (प्रति वासुदेव)	राजसिंह राजा
(७०)	बलि (प्रति वासुदेव)	सुकेतु राजा
(७१)	प्रह्लाद (प्रति वासुदेव)	खलमंत्री
(७२)	रावण (प्रति वासुदेव)	प्रभास मुनि
(७३)	विभीषण	याज्ञवल्क्य ब्राह्मण
(७४)	सुग्रीव	वृषभ ध्वज
(७५)	लव	प्रियंकर राजा
(७६)	कुश	शुंभकर राजा
(७७)	भामंडल	कुंडलमंडित राजकुमार
(७८)	विशल्या	अनंग सुंदरी
(७९)	सुदर्शना	समडी
(८०)	जनक राजा	रत्नमली
(८१)	कनक राजा (जनक राजा के भैया)	उपमन्यु पुरोहित
(८२)	दशरथ राजा	सूर्यजय राजा
(८३)	रोहिणी	दुर्गन्धा

प्रकरण - ३

चक्रवर्ती-बलदेव-वासुदेव-प्रतिवासुदेव का संक्षिप्त परिचय

चक्रवर्ती के परिचय

क्रम	१३१ चक्रवर्ती के नाम	१३२ माता के नाम	१३३ पिता के नाम
१.	भरत	सुमंगला	ऋषभदेव
२.	सगर	यशोमती	सुमित्रराजा
३.	मघवा	भद्रादेवी	समुद्रविजय
४.	सनत्कुमार	सहदेवी	अश्वसेन
५.	शांतिनाथ	अचिरा	विश्वसेन
६.	कुंथुनाथ	श्रीदेवी	शूरराजा
७.	अरनाथ	देवीरानी	सुदर्शनराजा
८.	सुभूम	तारादेवी	कृतवीर्य
९.	पद्म	ज्वालाराणी	पद्मोत्तर राजा
१०.	हरिषेण	मेरादेवी	महाहरी राजा
११.	जय	वप्रादेवी	विजय
१२.	ब्रह्मदत्त	चुलणी	ब्रह्मराजा

क्रम	१३४ चक्रवर्ती के नगरी का नाम	१३५ चक्रवर्ती के शरीर की ऊंचाई	१३६ चक्रवर्ती के वर्ण
१.	अयोध्या	५०० धनुष्य	सुवर्ण
२.	अयोध्या	४५० धनुष्य	सुवर्ण
३.	सावत्थी	४२ १/२ धनुष्य	सुवर्ण
४.	हस्तिनापुर	४१ १/२ धनुष्य	सुवर्ण
५.	गजपुर	४० धनुष्य	सुवर्ण
६.	गजपुर	३५ धनुष्य	सुवर्ण
७.	गजपुर	३० धनुष्य	सुवर्ण
८.	हस्तिनापुर	२८ धनुष्य	सुवर्ण
९.	वाराणसी	२० धनुष्य	सुवर्ण
१०.	कांपिल्यपुर	१५ धनुष्य	सुवर्ण
११.	राजगृही	१२ धनुष्य	सुवर्ण
१२.	कांपिल्यपुर	७ धनुष्य	सुवर्ण

क्रम	१३७ गोत्र	१३८ आयुष्य	१३९ गति
१.	काश्यप गोत्र	८४,००,००० पूर्व	मोक्ष
२.	काश्यप गोत्र	७२,००,००० पूर्व	मोक्ष
३.	काश्यप गोत्र	५,००,००० पूर्व	देवलोक
४.	काश्यप गोत्र	३,००,००० पूर्व	देवलोक
५.	काश्यप गोत्र	१,००,००० पूर्व	मोक्ष
६.	काश्यप गोत्र	९५,०००	मोक्ष
७.	काश्यप गोत्र	८४,०००	मोक्ष
८.	काश्यप गोत्र	६०,०००	नरक
९.	काश्यप गोत्र	३०,०००	मोक्ष
१०.	काश्यप गोत्र	१०,०००	मोक्ष
११.	काश्यप गोत्र	३,०००	मोक्ष
१२.	काश्यप गोत्र	७००	नरक

क्रम	१४० कुमार अवस्था	१४१ मांडलिक पणे में	१४२ पद कितने साल तक
१.	७७,००,००० पूर्व	१००० साल	१००० वर्ष न्युन ६लाख पूर्व
२.	—	—	—
३.	२५,००० वर्ष	२५,००० वर्ष	३,९०,००० वर्ष
४.	५०,००० वर्ष	५०,००० वर्ष	९०,००० वर्ष
५.	२५,००० वर्ष	२५,००० वर्ष	२५,००० वर्ष
६.	२३,७५० वर्ष	२३,७५० वर्ष	२३,७५० वर्ष
७.	२१,००० वर्ष	२१,००० वर्ष	२१,००० वर्ष
८.	५,००० वर्ष	५,००० वर्ष	१/२ लाख में ५०० साल
९.	५०० वर्ष	५०० वर्ष	१८,७०० वर्ष
१०.	३२५ वर्ष	३२५ वर्ष	१,८५० वर्ष
११.	३०० वर्ष	३०० वर्ष	१,९०० वर्ष
१२.	२८ वर्ष	५६ वर्ष	६०० वर्ष

क्रम	१४३ चक्रवर्ती दीक्षा में कितने साल तक	१४४ चक्रवर्ती कौन से तीर्थंकर भ. के समय में हुए	१४५ चक्रवर्ती के स्त्रीरत्न के नाम
१.	१,००,००० पूर्व	ऋषभदेवजी	सुभद्रा
२.	—	अजितनाथजी	सुकेशा
३.	५०,००० वर्ष	धर्मनाथजी	लक्ष्मी
४.	१,००,००० वर्ष	धर्मनाथजी	सुभद्रा
५.	२५,००० वर्ष	शांतिनाथजी (खुद)	—
६.	२३,७५० वर्ष	कुंथुनाथजी (खुद)	—
७.	२१,००० वर्ष	अरनाथजी भ. (खुद)	—
८.	—	अरनाथजी भ. के बाद	पद्मश्री
९.	१०,००० वर्ष	मुनिसुव्रत स्वामी भ.	मदनावली
१०.	३५० वर्ष	नमिनाथ	—
११.	४०० वर्ष	नेमिनाथ	—
१२.	—	नेमिनाथ भ. के बाद	कुरुमती

वासुदेव के परिचय

क्रम	१४६ वासुदेव के नाम	१४७ माता के नाम	१४८ पिता के नाम
१.	त्रिपृष्ठ	मृगावती	प्रजापतिराजा
२.	द्विपृष्ठ	पद्मादेवी	ब्रह्मराजा
३.	स्वयंभू	पृथ्वीदेवी	भद्रराजा
४.	पुरुषोत्तम	सीतादेवी	सोमराजा
५.	पुरुषसिंह	अमृतादेवी	शीवराजा
६.	पुरुष पुंडरिक	लक्ष्मीवती	महाशिर
७.	दत्त	शेषवती	अग्निसिंह
८.	लक्ष्मण	सुमीत्रादेवी	दशरथ
९.	कृष्ण	देवकी	वसुदेव

क्रम	१४९ वासुदेव के नगरी का नाम	१५० वासुदेव के शरीर की ऊंचाई	१५१ वासुदेव के वर्ण
१.	पोतनपुर	८० धनुष्य	कृष्ण
२.	द्वारिका	७० धनुष्य	कृष्ण
३.	द्वारिका	६० धनुष्य	कृष्ण
४.	द्वारिका	५० धनुष्य	कृष्ण
५.	अश्वपुर	४० धनुष्य	कृष्ण
६.	चक्रपुरी	२९ धनुष्य	कृष्ण
७.	काशी	२६ धनुष्य	कृष्ण
८.	अयोध्या (राजगृह)	१६ धनुष्य	कृष्ण
९.	मथुरा	१० धनुष्य	कृष्ण

क्रम	१५२ गोत्र	१५३ आयुष्य	१५४ गति
१.	गौतम गोत्र	८४,००,००० पूर्व	सातवी नरक
२.	गौतम गोत्र	७२,००,००० पूर्व	छठी नरक
३.	गौतम गोत्र	६०,००,००० पूर्व	छठी नरक
४.	गौतम गोत्र	३०,००,००० पूर्व	छठी नरक
५.	गौतम गोत्र	१०,००,००० पूर्व	छठी नरक
६.	गौतम गोत्र	६५,००० साल	छठी नरक
७.	गौतम गोत्र	५६,००० साल	पांचवी नरक
८.	काश्यप गौत्र	१२,००० साल	चौथी नरक
९.	गौतम गोत्र	१,००० साल	तीसरी नरक

क्रम	१५५ वासुदेव की कुमार अवस्था	१५६ वासुदेव का मांडलिक पणे में	१५७ वासुदेव का राज्य पालन
१.	२५,००० वर्ष	२५,००० वर्ष	८३,४९,००० वर्ष
२.	७५,००० वर्ष	७५,००० वर्ष	७२,४९,९०० वर्ष
३.	१२,००० वर्ष	१२,००० वर्ष	४९,७५,९१० वर्ष
४.	७०० वर्ष	१,३०० वर्ष	२९,९७,९२० वर्ष
५.	३०० वर्ष	१२०० वर्ष	९,९८,३८०० वर्ष
६.	२५० वर्ष	२५० वर्ष	६४,४४० वर्ष
७.	९०० वर्ष	५० वर्ष	५५,००० वर्ष
८.	१०० वर्ष	३०० वर्ष	११,५६० वर्ष
९.	१६ वर्ष	५६ वर्ष	९२८ वर्ष

क्रम	१५८ वासुदेव दिग्विजय में कितने साल	१५९ वासुदेव की पत्नी (स्त्री)	१६० वासुदेव की माता ने कितने स्वप्न देखें
१.	१००० वर्ष	३२,०००	७
२.	१०० वर्ष	३२,०००	७
३.	९० वर्ष	३२,०००	७
४.	८० वर्ष	३२,०००	७
५.	७० वर्ष	३२,०००	७
६.	६० वर्ष	३२,०००	७
७.	५० वर्ष	३२,०००	७
८.	४० वर्ष	३२,०००	७
९.	—	३२,०००	७

प्रतिवासुदेव का परिचय

क्रम	१६१ प्रतिवासुदेव के नाम	१६२ माता के नाम	१६३ पिता के नाम
१.	अश्वग्रीव	नीलांजना	मयुर ग्रीव
२.	तारक	श्रीमती	श्रीधर
३.	मेरक	सुंदरी	समर केशरी
४.	मधु	गुणवंती	विलास
५.	निष्कुंभ	—	—
६.	बलि	—	मेघनाथ
७.	प्रह्लाद	—	—
८.	रावण	कैकसी	रत्नशीवा
९.	मगधेश्वर (जरासंघ)	—	जयद्रथ

क्रम	१६४ प्रतिवासुदेव की जन्म नगरी का नाम	१६५ वासुदेव के शरीर की ऊंचाई	१६६ वासुदेव के वर्ण
१.	रत्नपुर	८४,००,००० वर्ष	श्याम वर्ण
२.	विजयपुर	७२,००,००० वर्ष	श्याम वर्ण
३.	नंदनपुर	६०,००,००० वर्ष	श्याम वर्ण
४.	पृथ्वीपुर	३०,००,००० वर्ष	श्याम वर्ण
५.	हरिपुर	१७,००,००० (१० लाख वर्ष)	श्याम वर्ण
६.	अरिंजय	८५,००० वर्ष	श्याम वर्ण
७.	तिलकपुर	६५,००० वर्ष (५६)	श्याम वर्ण
८.	पाताल लोक	१२,००० वर्ष	श्याम वर्ण
९.	राजगृही	१,२०० वर्ष	श्याम वर्ण

क्रम	१६७ प्रतिवासुदेव कौन से भगवान के समय में	१६८ प्रतिवासुदेव का राज्य
१.	श्रेयांसनाथ भगवान	३ खंड
२.	वासुपूज्य स्वामी	३ खंड
३.	विमलनाथ भगवान	३ खंड
४.	अनंतनाथ भगवान	३ खंड
५.	धर्मनाथ भगवान	३ खंड
६.	अरनाथ भगवान	३ खंड
७.	अरनाथ भगवान	३ खंड
८.	मुनिसुव्रत स्वामी	३ खंड
९.	नेमनाथ भगवान	३ खंड

बलदेव का परिचय

क्रम	१६९ बलदेव के नाम	१७० माता के नाम	१७१ पिता के नाम
१.	अचल	भद्रादेवी	प्रजापति राजा
२.	विजय	सुभद्रा	ब्रह्मराजा
३.	भद्र	सुप्रभा	भद्रराजा
४.	सुप्रभ	सुदर्शना	सोमराजा
५.	सुदर्शन	विजया	शीवराजा
६.	आनंद	विजयन्ति	महाशिर
७.	नंदन	जयन्ति	अग्निसिंह
८.	पद्म (राम)	अपराजिता (कौशल्या)	दशरथ
९.	राम	रोहिणी	वसुदेव

क्रम	१७२ बलदेव की जन्म नगरी का नाम	१७३ बलदेव का आयुष्य	१७४ बलदेव के वर्ण
१.	पोतनपुर	८५,००,००० वर्ष	श्वेत वर्ण
२.	द्वारिका	७५,००,००० वर्ष	श्वेत वर्ण
३.	द्वारिका	६५,००,००० वर्ष	श्वेत वर्ण
४.	द्वारिका	५५,००,००० वर्ष	श्वेत वर्ण
५.	अश्वपुर	१७,००,००० वर्ष	श्वेत वर्ण
६.	चक्रपुरी	८५,००० वर्ष	श्वेत वर्ण
७.	काशी	५०(६५),००० वर्ष	श्वेत वर्ण
८.	अयोध्या (राजगृही)	१५,००० वर्ष	श्वेत वर्ण
९.	मथुरा	१२,००० वर्ष	श्वेत वर्ण

क्रम	१७५ बलदेव कौन से गति में	१७६ बलदेव की माता ने कितने स्वप्न देखे
१.	मोक्ष	४
२.	मोक्ष	४
३.	मोक्ष	४
४.	मोक्ष	४
५.	मोक्ष	४
६.	मोक्ष	४
७.	मोक्ष	४
८.	मोक्ष	४
९.	पांचवा देवलोक	४

ACHARYA SRI KAILASSAGARSURI GYANMANDIR
SHREE MAHAVIR JAIN ARADHANA KENDRA
Koba, Gandhinagar - 382 007.
Ph. : (079) 23276252, 23276204-05
Fax : (079) 23276249

तवाव नगर के
उपकारी गुरुदेव

तवाव संघ का पुण्योदय जाग उठा पूज्य गुरुदेव का चातुर्मास हेतु पदार्पण हुआ ।

तवाव नगर की आन-बान-शान बढाने हेतु एतिहासिक चातुर्मास, उपधान तप, छ री पालीतसंघ, उद्यापन, अनेक अट्ठाई महोत्सव, विशाल धर्मशाला, उपाश्रय एवं देलवाडा तीर्थ की प्रतिकृति समान सुंदर पाषाण से अलंकृत भव्य जिनालय निर्माण करवाने का श्री संघ द्वारा निर्णय हुआ ।

प्रेरणा आपकी सहकार संघ का मिला उसी कारण तवाव नगरमें राणकपुर एवं जैसलमेर याद करावे ऐसा गगनचुंबी जिनालय का निर्माण हो रहा हे ।

पूज्य उपकारी गुरुदेव श्री
रत्नाकर सूरीश्वरजी म.सा. के चरणो में
कोटि - कोटि वंदन
साकरीया परिवार - तवाव

श्रुत भक्ति के सहयोगी

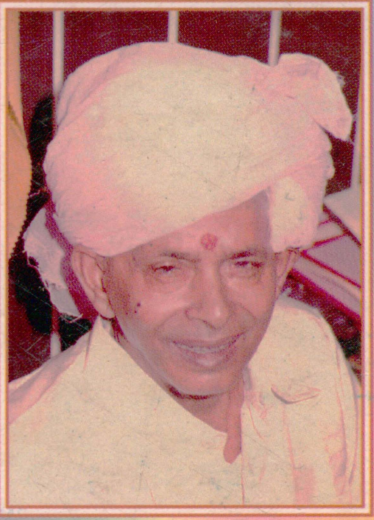

स्व. जवेरचंद रवीमाजी
तवाव

श्रीमती फालूबाई जवेरचंदजी
तवाव

शा जुगराज, रतनचंद, ललितकुमार, विनोदकुमार,
शैलेषकुमार, प्रवीणकुमार, अशोककुमार, राजेशकुमार,
विक्रमकुमार, मयूर, कैलास, योगेश, ईशांत, प्रणव
समस्त साकरीया परिवार की तरफ से

अ[illegible] ...आदर समर्पण

शा. शैले[illegible] साकरीया परिवार

तवाव (राज.)

Navneet (M) 098252 61177